CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-30
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 08 मई 2024

आज का विचार

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

सिंगल कॉलम

10 लाख का इनामी टॉप आतंकी कमांडर बासित डार समेत दो ढेर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के रेडवानी इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। इनमें से एक आतंकी लश्कर-ए-तोइबा के ही मुखौटा संगठन टीआरएफ का टॉप कमांडर बासित अहमद डार था। बासित डार ए श्रेणी का आतंकवादी था और 2021 से सक्रिय था। वह श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों और अल्पसंख्यकों पर हमलों सहित 18 से अधिक मामलों में शामिल था। आईजीपी कश्मीर वीके बिर्दी ने कहा कि उसके सिर पर 10 लाख रुपये का इनाम था। मौके पर से मलबा हटाने का काम अभी भी जारी है। किसी को भी कश्मीर में चुनाव, शांतिपूर्ण माहौल में खलल डालने की इजाजत नहीं दी जाएगी। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि सोमवार दोपहर को पुलिस को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर घेराबंदी कर दी। मंगलवार सुबह, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गहन मुठभेड़ शुरू हो गई जो दोपहर तक चली। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में कुलगाम के रेडवानी के प्रतिबंधित लश्कर-ए-तोइबा (टीआरएफ) संगठन का शीर्ष कमांडर बासित डार सहित दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मंगलवार दोपहर को समाप्त हो गया, लेकिन विस्फोटकों का मलबा हटाने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। शनिवार शाम को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के डन्ना शाहसितार क्षेत्र में वायुसेना के वाहनों पर आतंकी हमला किया गया था। इस हमले में पांच वायु सैनिक घायल हो गए। घायलों में शामिल विक्की पहाड़े शहीद हो गए।

पश्चिम बंगाल में 25000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने पर रोक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में ममता सरकार को राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 25000 शिक्षकों की भर्ती रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सीबीआई को केस की जांच जारी रखने का आदेश भी दिया। जांच एजेंसी से कहा कि इस दौरान कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई एक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से कहा कि यह व्यवस्थागत धोखाधड़ी है। इससे लोगों का भरोसा उठ जाएगा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस साल 22 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों की 25 हजार 753 नियुक्तियों को अवैध करार दे दिया था। साथ ही इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12 प्रतिशत इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए थे। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरी तरह से नियुक्तियों को रद्द करना नासमझी है। वैध और अवैध भर्तियों को अलग करने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल सरकार इसके तरीके को तय कर सकती है। बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। पिटीशन में मांग की गई थी कि हाईकोर्ट के फैसले को रद्द किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार के वकील से पूछा कि या तो आपके पास डेटा है या नहीं है....आप दस्तावेजों को डिजिटल रूप में बनाए रखने के लिए बाध्य थे। यह स्पष्ट है कि कोई डेटा नहीं है। आपको यह पता ही नहीं है कि आपके सर्विस प्रोवाइडर ने किसी अन्य एजेंसी को नियुक्त किया है। आपको सुपरवाइजरी कंट्रोल बनाए रखना था।

हरियाणा सरकार अल्पमत में, 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन लिया वापस

रोहतक। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के बीच बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। राज्य की सैनी सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। निर्दलीय विधायकों में पुंडरी से विधायक रणधीर गोलन, नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर और चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान शामिल हैं। मार्च में भाजपा-जजपा गठबंधन टूटने के बाद पार्टी ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी। इन तीनों विधायकों ने रोहतक में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में कांग्रेस के समर्थन का ऐलान किया। पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने मांग की कि हरियाणा की भाजपा सरकार अल्पमत में आ गई है। इसलिए सीएम नायब सैनी को इस्तीफा देकर विधानसभा चुनाव करवाने चाहिए। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा- नैतिकता यही कहती है कि अब मुख्यमंत्री नायब सैनी को इस्तीफा देकर चुनाव करवा लेना चाहिए।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

अंबानी-अदाणी से कितना माल उठाया कि उनका नाम लेना बंद कर दिया

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धुआंधार चुनाव प्रचार जारी है। आज पीएम मोदी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में चुनावी रैलियां और रोड शो कर रहे हैं।पीएम मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कांग्रेस के शहजादे ने पहले राफेल-राफेल किया। यह बंद हुआ तो उन्होंने पिछले पांच वर्षों में हर समय 5 उद्योगपतियों के बारे में बात करना शुरू कर दिया। बाद में उन्होंने अंबानी-अडानी कहना शुरू कर दिया, लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद उन्होंने अंबानी-अडानी को गाली देना बंद कर दिया, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ऐसा क्यों। शहजादा ये घोषणा करें कि अंबानी-अडानी से कितना माल उठाया है। समझौता यह हुआ कि आपने रातों-रात अंबानी-अडानी को गाली देना बंद कर दिया। करीमगंज की रैली में पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे चरण में ही विपक्ष फ्यूज हो गया है। कांग्रेस ही देश में समस्याओं की सबसे बड़ी जननी है। पीएम मोदी ने कहा, करप्शन कांग्रेस-BRS का कॉमन कैरेक्टर है। ये दोनों एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं। लेकिन, बैकडोर से दोनों एक ही करप्शन सिंडिकेट का हिस्सा हैं। पीएम मोदी ने दिन की शुरुआत तेलंगाना में करीमनगर जिले के वेमुलावाड़ा स्थित श्री राज राजेश्वर स्वामी देवस्थानम में पूजा से दी। देखिए वीडियो रायसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रधानमंत्री को ऐसी बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को 400 सीटें चाहिए, तभी तो कांग्रेस राम मंदिर पर बाबरी ताला नहीं लगा पाएगी...कैसी बात है?...आपको ऐसा बयान देने की क्या जरूरत है? ऐसा लगता है कि 4 जून आपकी सत्ता की समाप्ति की तारीख है, अन्यथा आप ऐसे बयान नहीं देते।

गांगा नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत

सभी के शव निकाले गए बाहर.....गांव में पसरा मातम

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में गंगा में नहाते समय डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहरा मचा हुआ है। वहीं चुनाव को संपन्न कर रहे प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। बच्चे मंगलवार दोपहर गंगा स्नान करने गए थे। दरअसल पूरा मामला कासगंज जिले के सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के नगला खंदारी का है। जहां के रहने वाले तीन बच्चे मंगलवार दोपहर गांव के समीप ही गंगा में स्नान करने गए थे कि अचानक गंगा के तेज बहाव के चलते बह गए। बामुश्किल नरौरा बांध पर काम कर रहे मजदूरों ने बच्चों के शवों को बाहर निकाला। जानिए, क्या है पूरा मामलासूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम खंदारी के रहने वाले 10 वर्षीय रोहित पुत्र रामपाल, सुभाष पुत्र श्याम सिंह, आशीष पुत्र राजपाल मंगलवार दोपहर गांव के पास ही गंगा स्नान करने गए थे। जहां गंगा के पानी के तेज बहाव के चलते तीनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। बच्चों के डूबने की जानकारी जैसे ही आसपास के लोगों को हुई उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पटियाली उप जिलाधिकारी कुलदीप सिंह और क्षेत्राधिकार विजय कुमार राणा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय गोताखोरों की सहायता से एक बच्चे के शव को बाहर निकाल लिया, लेकिन लापता अन्य दो बच्चों की तलाश में नरौरा बांध पर काम कर रहे मजदूरों की एक टीम को प्रशासन ने लगाया। कड़ी मशक्कत के बाद मजदूरों की टीम ने दो बच्चों के शवों को भी बाहर निकाल लिया। बच्चों की मौत पर जताई जा रही यह आशंका बताया जा रहा है कि नरौरा बांध पर चल रहे निर्माण कार्य की वजह से बालू निकल जा रही है, जिसके चलते वहां पर गहरे गड्ढे हो गए हैं। बच्चों की भी उन गड्ढे में फंसने से ही डूब कर मौत की आशंका जताई जा रही है। उप जिलाधिकारी पटियाली कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों बच्चों के शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। उनके परिजन अगर चाहेंगे तो बच्चों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मंदसौर में बोले सीएम मोहन यादव-

पीएम मोदी का कोई परिवार नहीं, वे आपके बच्चों के लिए लड़ रहे

मंदसौर। मंदसौर चुनावी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार सुबह प्रबुद्धजन संवाद में मंदसौर के विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रबुद्ध लोगों से खुलकर चर्चा की। उन्होंने सेवानिवृत न्यायाधीश रघुवीरसिंह चूंडावत से आइपीसी सहित कानून संबंधी प्रश्न पूछे। उन्होंने कहा कि हम देश में दंड संहिता नहीं बल्कि न्याय संहिता चाहते है। भाजपा याने भारतीय जनता पार्टी पूरे भारत की जनता की पार्टी है। हमने सबको साथ लेकर काम करने की ठानी हुई है।सीएम मोहन यादव ने कहा कि जनता के एक-एक आदमी का कोर्ट से काम पड़ता है। पीएम मोदी अपने लिए नहीं बल्कि आपके लिए न्यायालयीन परिवर्तन चाहते है। चोर की गर्दन पकड़ने का काम पीएम मोदी ने किया है। उन्होंने रिश्वतखोरों को उनकी जमीन दिखाई है। इसलिए पीएम मोदी को देश का चौकीदार कहा गया है। सबसे ज्यादा कानून की बात करने वाले दिल्ली वाले भाई साहब की स्थिति सबके सामने है। जेल में बंद मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए, लेकिन खुद इस्तीफा देने को तैयार नहीं है। पीएम मोदी का साफ कहना है न खाऊंगा और न खाने दूंगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मुखिया की जवाबदारी सबसे अधिक होती है। परिवार में कुछ भी होता है तो प्रतिष्ठा मुखिया की दांव पर लगती है। तो फिर दिल्ली के मुखिया अपनी जवाबदारी मानने को तैयार क्यों नहीं है। मोदी जी ने हर क्षेत्र में अपना काम पूरी ईमानदारी से किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए केजरीवाल को राहत के संकेत पर फैसला नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को दिल्ली शराब नीति से जुड़े कथित घोटाला मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत को लेकर मंगलवार को कोई फैसला नहीं सुनाया। अदालत ने कहा कि हम इस पर पहले बन बनाएंगे, फिर बताएंगे। इससे पहले शीर्ष अदालत ने कहा था कि केजरीवाल आदतन अपराधी नहीं हैं। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच बिना कोई आदेश दिए उठ गई। अब सुप्रीम कोर्ट बेंच गुरुवार या फिर अगले हफ्ते केजरीवाल की याचिका पर आदेश पारित कर सकती है। केजरीवाल ने कोर्ट में अंतरिम जमानत देने की मांग की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए 3 मई को जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा था कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है ताकि वे चुनाव प्रचार में शामिल हो सकें।

सिंघवी बोले- केजरीवाल के खिलाफ सबूत नहीं केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और ईडी की तरफ से एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दलीलें रखीं। केजरीवाल के वकील सिंघवी का कहना है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं और उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है। जांच एजेंसी के सामने पेश न होना गिरफ्तारी का आधार नहीं हो सकता। वहीं ईडी के वकील एसवी राजू ने कहा कि गिरफ्तारी का फैसला सिर्फ जांच अधिकारियों का ही नहीं था, बल्कि एक स्पेशल जज द्वारा भी इसका फैसला लिया गया था। शीर्ष अदालत ने मुख्यमंत्री की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि न्यायालय यह नहीं चाहती कि केजरीवाल अंतरिम जमानत मिलने पर सरकारी कामकाज करें। अगर आपके मुवक्किल सरकारी कामकाज करते हैं तो यह हितों का टकराव होगा और हम ऐसा नहीं चाहते। सिंघवी ने पीठ को आश्वासन दिया कि अगर केजरीवाल को मामले में अंतरिम जमानत मिल जाती है तो वे आबकारी नीति घोटाले से जुड़ी कोई फाइल नहीं देखेंगे। वहीं ईडी ने केजरीवाल के लिए अंतरिम जमानत पर सुनवाई करने की शीर्ष कोर्ट की राय का विरोध किया। एजेंसी ने कहा कि अदालत नेताओं के लिए अलग श्रेणी नहीं बना सकती। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी की ओर से कहा कि देश में इस समय सांसदों से जुड़े करीब 5,000 मामले लंबित हैं। क्या उन सभी को जमानत पर छोड़ दिया जाएगा?

पतंजलि केस में सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

भ्रामक विज्ञापन के लिए सिलेब्रिटीज भी जिम्मेदार

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापनों को प्रचारित करने वाले सिलेब्रिटीज और प्रभावशाली लोग भी इसके लिए उतरने ही जिम्मेदार हैं, जितना उसे तैयार करने वाली कंपनियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद की ओर से अपनी दवाओं को लेकर जारी भ्रामक विज्ञापनों के मामले की सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि यदि किसी उत्पाद को लेकर किए गए दावे गलत पाए जाते हैं तो उनका प्रचार करने वाली सिलेब्रिटीज और सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर्स भी जिम्मेदार हैं। पतंजलि आयुर्वेद के मामले की सुनवाई करते हुए बेंच ने आईएमए की भी खिंचाई की। अदालत ने कहा कि विज्ञापनों को प्रसारित करने से पहले चैनलों को भी एक सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भरना चाहिए। इसमें यह घोषणा करनी चाहिए कि हम सभी नियमों का पालन करते हैं। मंगलवार को जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की बेंच ने गाइडलाइंस फॉर प्रिवेंशन ऑफ मिसलीडिंग ऐड का जिक्र किया। अदालत ने कहा कि इस नियम की गाइडलाइन 13 में कहा गया है कि किसी विज्ञापन का प्रचार करने वाली हस्ती को संबंधित सेवा एवं उत्पाद के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। उसे यह पता होना चाहिए कि वह जिस चीज का प्रचार कर रहा है, वह किसी भी तरह से नुकसानदेह नहीं है।

बेंच ने कहा, नियम कहते हैं कि उपभोक्ता को पता होना चाहिए कि वह जिन चीजों को बाजार से खरीद रहा है, उसकी क्या खासियतें हैं। खासतौर पर हेल्थ और फूड प्रोडक्ट्स के मामले में यह जरूरी है। इसके साथ ही बेंच ने कहा कि यदि कोई विज्ञापन भ्रामक निकलता है तो उसे जारी करने वाली कंपनियों के साथ ही प्रचार करने वाली हस्तियां भी उतनी ही जिम्मेदार हैं। यही नहीं बेंच ने कहा कि मंत्रालयों को इस संबंध में कुछ नियम बनाने चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि विज्ञापन गलत पाए जाने पर ग्राहक शिकायत कर सके और उसका कोई नतीजा निकल सके।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा नियम बनने से पहले चैनलों एवं अन्य प्रसारकों को लेकर एक नियम बनना चाहिए। प्रसारकों को सेल्फ डिक्लेरेशन फॉर्म भरना चाहिए कि वह जो विज्ञापन चला रहे हैं, उसकी उन्होंने जांच कर ली है और भ्रामक नहीं है। यही नहीं बेंच ने कहा कि हम किसी तरह की लालफीताशाही नहीं चाहते। लेकिन हमारी यह भी मंशा नहीं है कि कुछ भी ऐड चलने दिया जाए। पर यह तय करना भी जरूरी है कि किसी की तो जिम्मेदारी तय हो।

मौसमः दमोह में पारा 44.8 डिग्री, भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन, इंदौर में तापमान 40.5 डिग्री

सीजन में पहली बार सबसे ज्यादा तपा मप्र , कई शहरों का पारा 42 से ऊपर

भोपाल/इंदौर। मध्यप्रदेश में गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेशभर में अब दिन और रात का तापमान बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन यानी 9 मई तक एमपी में लू, गर्म हवा और बारिश का अलर्ट जारी किया है। मप्र में मंगलवार को सूरज ने तीखे तेवर दिखाए। सीजन में पहली बार मप्र इतना तपा। दमोह में पारा 44.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश का सबसे गर्म रहा। भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। यहां टेम्प्रेचर 42.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। नौगांव, गुना, खंडवा, टीकमगढ़ और शिवपुरी में पारा 43 डिग्री के पार ही रहा। वहीं, छिंदवाड़ा के देवरी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 3 मवेशियों की मौत हो गई। मंगलवार को भोपाल, गुना, विदिशा, ग्वालियर, बैतूल, भिंड, मुरैना, राजगढ़ और सागर में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग थी। यहां आज तेज गर्मी पड़ने का अनुमान था। मौसम भी ऐसा ही रहा। सुबह से ही ये जिले खूब तपे। इस कारण लोग परेशान हो गए। दोपहर में मतदान भी तेज गर्मी की वजह से ही धीमा रहा।

प्रमुख शहरों में इतना रहा तापमान- प्रदेश के बड़े शहर भी खूब तपे। भोपाल में सीजन में पहली बार पारा 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में 40.5 डिग्री, ग्वालियर में 42.6 डिग्री, जबलपुर में 42.1 डिग्री और उज्जैन में टेम्प्रेचर 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दमोह अब तक का सबसे गर्म रहा। पारा 44.8 डिग्री दर्ज किया गया। शिवपुरी-टीकमगढ़ में 43 डिग्री, खंडवा में 43.1 डिग्री, गुना में 43.2 डिग्री और नौगांव में पारा 43.4 डिग्री दर्ज किया गया।

इन शहरों में भी तेज गर्मी-धार, मंडला, खरगोन, खजुराहो, उमरिया, रतलाम, सीधी, शाजापुर और सागर में पारा 42 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, बैतूल, सतना और रायसेन में पारा 40 से 41.8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां टेम्प्रेचर 35.8 डिग्री दर्ज किया गया। मलाजखंड में 36.6 डिग्री, सिवनी में 38.2 डिग्री, रीवा में 39.2 डिग्री और छिंदवाड़ा में 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

ईरान के ऊपर वेस्टर्न डिस्टरबेंस- मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया कि अभी ईरान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन भी है। इन सबके चलते बादल भी छा रहे हैं। 8-9 मई को भी गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। हीट वेव भी चलेगी।

आज और कल ऐसा रहेगा मौसम- 8 मई को मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा में हीट वेव का असर रहेगा। वहीं, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया में बादल रहेंगे। 9 मई को इंदौर, रतलाम, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर जिलों में गरज-चमक की स्थिति रहेगी।

सिंगल कॉलम

लोकसभा चुनाव के कारण रिजल्ट प्रभावित, अब इस दिन परिणाम जारी करने की तैयारी

इंदौर। लोकसभा चुनाव की वजह से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के बाद अब परिणाम भी प्रभावित हो गए हैं। 30 अप्रैल को जारी होने वाले स्नातक अंतिम वर्ष के रिजल्ट अब तक तैयार नहीं हुए। अब विश्वविद्यालय प्रशासन ने डेडलाइन आगे बढ़ाई है। अधिकारी और कर्मचारियों की निर्वाचन कार्यों में ड्यूटी लगने से विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब 15 मई बाद तीन बीबीए के रिजल्ट घोषित किए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं हुआ है। 80 से ज्यादा कर्मचारियों-अधिकारियों की ड्यूटी स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा 5 मार्च से शुरू हुई थी, जिसमें बीए-बीएससी को छोड़कर बाकी पाठ्यक्रम की परीक्षा खत्म हो चुकी है। इसमें बीबीए, बीसीए, बीकाम, बीए पत्रकारिता, बीएसडब्ल्यू आदि पाठ्यक्रम शामिल हैं। इनकी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू हो चुका है। पहले विश्वविद्यालय ने बीबीए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, फारेन ट्रेड और होटल मैनेजमेंट जैसे छोटे पाठ्यक्रम के रिजल्ट 30 अप्रैल तक जारी करने पर जोर दिया। मगर इस बीच विश्वविद्यालय के परीक्षा और गोपनीय विभाग के 80 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों की चुनाव कार्यों में ड्यूटी आ चुकी है। अब परिणाम पर असर दिखने लगा है। 10 जून तक बीकॉम का रिजल्ट विश्वविद्यालय ने रिजल्ट जारी की डेडलाइन को पंद्रह से बीस दिन आगे बढ़ा दिया है। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि 15 से 20 मई के बीच बीबीए के रिजल्ट निकाले जाएंगे। उसके बाद 10 जून तक बीकॉम का रिजल्ट दिया जाएगा। वे बताते है कि बीए-बीएससी की परीक्षा लोकसभा चुनाव की वजह से आगे बढ़ाई है, जो 15 जून तक खत्म होगी।

लेखा शाखा में आवाज-जावक करने वाला कर्मचारी गिरफ्तार, फर्जी फाइलों की करता था एंट्री

इंदौर। सवा सौ करोड़ के फर्जीवाड़े में पुलिस ने आवक-जावक शाखा के कर्मचारी मुरलीधरन को गिरफ्तार किया है। आरोपी ठेकेदार और लिपिक राजकुमार सालवी से मिलकर फर्जी फाइलों की एंट्री दर्शाता था। उधर पुलिस फरार आरोपी मौसम व्यास और इमरान खान की तलाश में जुटी है।

डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे के मुताबिक राजकुमार सालवी ने पूछताछ में बताया कि लेखा शाखा में फाइलों की आवक जावक होती है। आरोपी मुरलीधरन इन फाइलों पर फर्जी नंबर डालकर आवक दर्शाता था। सोमवार को ही मुरलीधरन और जगदीश चौकसे की सेवा समाप्त की थी।

रिपोर्ट में सामने आई संलिप्तता

बता दें कि निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति की जांच रिपोर्ट में घोटाले में इन तीनों की भी संलिप्तता पाई गई है। यह बात भी सामने आई है कि आरोपी फर्जी बिल मार्च में ही पेश करते थे, ताकि वित्तीय वर्ष समाप्त होने की हड़बड़ी में वे आसानी से फर्जीवाड़े को अंजाम दे सके और इस पर किसी की नजर भी न पड़े।

दो आरोपी अब भी फरार

पुलिस चौकसे और विनय की भूमिका की जांच कर रही है। उधर पुलिस ने तीन आरोपी राहुल बढ़ेरा, राजकुमार सालवी और जाकिर की रिमांड बढ़ा ली है। दो आरोपी मौसम व्यास और इमरान खान फरार है।

107 करोड़ रुपये के बिल हुए पेश

गौरतलब है कि निगमायुक्त द्वारा बनाई गई समिति ने 188 फाइलों की जांच की और इसमें 150 से ज्यादा फाइलों में फर्जीवाड़ा मिला है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए करीब 107 करोड़ रुपये के बिल पेश किए गए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से 81 करोड़ रुपये का भुगतान किया भी जा चुका है। यानी नगर निगम के खाते से बगैर काम ही इतनी बड़ी रकम घोटालेबाजों के खाते में ट्रांसफर हो चुकी है।

फर्जी बिल घोटाला..आरोपी तीन दिन के रिमांड पर

***इंदौर।** इंदौर नगर निगम में हुए करोड़ों रुपए के फर्जी बिल घोटाले में तीन आरोपी ठेकेदार मो. जाकिर, राहुल वडेरा और कैशियर राजकुमार साल्वी रिमांड को मंगलवार को जिला कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने इनका रिमांड और बढ़ाए जाने को लेकर कोर्ट में आवेदन दिया। कोर्ट ने इन्हें तीन दिन के रिमांड पर सौंपा है। दरअसल अभी इनसे और पूछताछ के साथ लेन-देन संबंधी सबूत जुटाए जाना है। इसके साथ ही पुलिस फरार आरोपी ठेकेदार आरोपी ठेकेदार मो. सिद्धीकी (ग्रीन कंस्ट्रक्शन इंजीनियर), इमरान खान (क्रिस्टल इंटरप्राइजेस), मौसम व्यास (ईश्वर इंटरप्राइजेस) और निगम इंजीनियर अभय राठौर की तलाश कर रही है। इन सभी पर इनाम घोषित है। रविवार को पुलिस ने ठेकेदार मो. साजिद, मो. जाकिर, रेणु वडेरा, राहुल वडेरा, सब इंजीनियर उदय सिसौदिया, कम्प्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया और क्लर्क राजकुमार साल्वी को कोर्ट में पेश किया गया था। मामले में आरोपी मो. जाकिर, राहुल वडेरा और निगम कर्मचारी राजकुमार साल्वी का रिमांड मांगा था जो आज खत्म हो रहा है। उस दौरान चार आरोपियों को जेल भेज दिया गया था।*

इंदौर में आज 40 डिग्री के पार पहुंचेगा पारा, 9 मई के बाद हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना

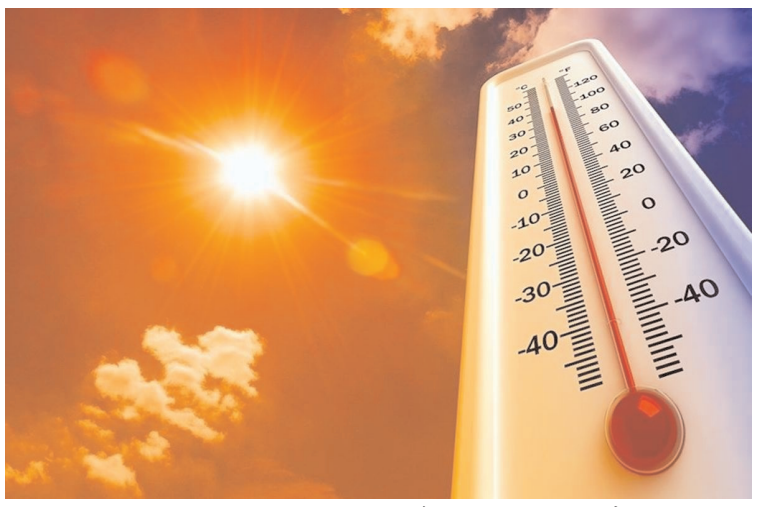

सिटी चीफ इंदौर।

मंगलवार को गर्मी के तीव्र असर ने दिन में शहरवासियों की मुश्किलें बढ़ाई। दोपहर में घर से बाहर निकले लोगों को तपिश का अहसास हुआ। इस माह में दूसरी बार पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मंगलवार को शहर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य था। 4 मई को पारा इस उच्चतम स्तर पर पहुंचा।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बुधवार को भी शहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना है। मंगलवार को शहर में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बूंदाबांदी की आशंका

भोपाल स्थित मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ बना है। वहीं उत्तर पूर्वी मप्र पर ऊपरी हवाओं का चक्रवाती घेरा बना हुआ। इसके अलावा एक द्रोणिका उत्तरी उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश से होते हुए दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान तक जा रही है। इसके असर से 9 मई के बाद इंदौर में बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। बुधवार व गुरुवार को शहर में दिन का पारा 40 डिग्री से अधिक रहेगा। उसके बाद तापमान में हल्की गिरावट दिखाई देगी।

गनर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

इलाज के दौरान मौत

सिटी चीफ इंदौर।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में डीएसपी हेडक्वार्टर के वाले गनर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार विक्रम परमार सरकारी क्वार्टर में रहता था। गोली लगने के बाद उसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंदौर में नोटा की अपील के विरोध में उतरी BJP, निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत

सिटी चीफ इंदौर।

भाजपा नोटा की अपील के विरोध में उतर गई है। भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत कर कहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा विपक्ष के नेताओं के कहने पर इंदौर लोकसभा क्षेत्र में मतदान को प्रभावित करने और भाजपा की छबि को धुमिल करने के उद्देश्य से मैं हूं इंदौरी नामक फेसबुक पेज बनाकर उस पर भाजपा नेताओं के फोटो डालकर आओ मिलकर नोटा दबाएं। भाजपा को सबक सिखाएं, लिखकर पोस्ट किया जा रहा है। शिकायत में मांग की गई है कि मैं हूं इंदौर फेसबुक पेज के यूजर और उसे यह कार्य करने के लिए प्रेरित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मतदान केन्द्रों में धूमपान करते हुए पाये जाने पर होगी कार्रवाई

इंदौर जिले में 13 मई को सभी मतदान केंद्रो धूमपान प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने निर्देश जारी कर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वो सभी मतदान केंद्रों पर धूमपान प्रतिबंधित क्षेत्र और तंबाखू मुक्त परिसर बनाने संबंधी सूचना बोर्ड लगाए। उक्त प्रतिबंधित क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति धूमपान करते हुए पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार स्पाट फाइन की कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ 1800 रुपये के लेन-देन में हुआ था दोहरा हत्याकांड, दोनों आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। आरोपियों ने 1800 रुपये के विवाद में हत्या करना स्वीकारा है। एक अन्य व्यक्ति की पिटाई भी की लेकिन वह बच गया। एसीपी आशीष पटेल के मुताबिक नेमावर ब्रिज के पास मिस्त्री हरिराम और सुरेश गोखले के शव निर्वस्त्र अवस्था में मिले थे। सोमवार को पुलिस ने इस मामले में गोलू (कांटाफोड़) और अमन को गिरफ्तार किया। संजय उर्फ प्रदीप अभी फरार है।

दोनों मृतकों को पीटा

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हरिराम और सुरेश मिस्त्री का काम करते थे। कभी कभी कैटरिंग के ठेके लेते थे। आरोपियों ने दो बार काम पर ले जाने का कहा और तीन इमली पर दिनभर खड़ा रखा, साथ ही मजदूरी के रुपये देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर सुरेश को निर्वस्त्र कर पीटा और बाद में हरिराम को ले गए और उसकी भी इसी तरह पिटाई की।

एक दिन पूर्व एक और युवक की पिटाई की थी

एसीपी के मुताबिक इसके एक दिन पूर्व कालू नामक युवक को इसी तरह पीटा था। सुबह होश आने पर वह घर चला गया। पुलिस संजय की तलाश कर रही है। मुद्दा खड़ी कराई नहीं बल्कि लेनदेन का है।

शराब दुकान पर महिलाओं ने किया पथराव

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र के नंदबाग में महिलाओं ने शराब दुकान पर हमला बोल दिया। नंदबाग में शराब दुकान खुलने के बाद से ही रहवासी इसके खिलाफ मोर्चा खुले हुए हैं। पिछले दिनों भी उन्होंने आबकारी विभाग सहित जनप्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए शराब दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की थी। कोई कार्रवाई नहीं हुई तो मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ क्षेत्रीय रहवासी इकट्ठा हुए और शराब दुकान के सामने जमकर नारेबाजी की। कुछ महिलाओं ने दुकान के अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। एडिशनल डीसीपी का कहना है कि पूरे ही मामले में जानकारी लगी है और पूरे मामले में कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में 30 बूथ अध्यक्ष व महामंत्रियों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

इंदौर। धार में चुनावी सभा में शामिल होने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर दो बजे धार से इंदौर पहुंचे। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। प्रधानमंत्री इंदौर विमानतल पर इस बार भाजपा के बड़े नेता व पदाधिकारियों के बजाए बूथ अध्यक्ष व महामंत्रियों से मिले। 30 से ज्यादा बूथ पदाधिकारी उनसे मिलकर खुश हो गए। प्रधानमंत्री सुबह 9 बजे धार और खरगोन की सभा के लिए इंदौर आए थे। विमानतल पर उनकी आगवानी वरिष्ठ नेतागणों ने की। मालवा निमाड़ में यह उनकी पहली सभा थी। उनके आगमन को लेकर सोमवार को पुलिस और एसपीजी ने रिहर्सल भी की थी। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हवाई पट्टी पर 15 बूथ अध्यक्ष मिले। इनमें महिला पदाधिकारी भी शामिल थी। दरअसल इस बार भाजपा ने तय किया था कि विधानसभा चुनाव में जिस बूथ पर ससे ज्यादा वोटों से पार्टी की जीत हुई। उन बूथों के अध्यक्ष व महामंत्री को प्रधानमंत्री से मिलवाया जाएगा। मंगलवार को प्रधानमंत्री के इंदौर आगमन के दौरान उनसे किया गया वादा पूरा किया गया। चुनावी सभाएं लेकर प्रधानमंत्री दोपहर दो बजे लौटे। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए। खरगोन में मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भी प्रदेश और मालवा निमाड़ की सीटों को लेकर चर्चा की। पीएम नरेंद्र मोदी के धार और खरगोन में सभा से पहले इंदौर आए। यहां इंदौर के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। एअरपोर्ट से ही मोदी खरगोन के लिए रवाना हो गए। खरगोन के बाद धार में जनसभा को संबोधित करने के बाद वे इंदौर आकर दिल्ली रवाना हुए। लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी की एमपी में यह पहली सभा थी। इसे लेकर पुलिस और एसपीजी ने सोमवार को रिहर्सल की थी। लोकसभा चुनाव के लिए धार और खरगोन में आमसभा लेने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भाजपा संगठन ने इस बार इंदौर विमानतल पर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मिलवाया। नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने बताया पिछले विधानसभा चुनाव में जिन विधानसभा में जिस बूथ पर सबसे ज्यादा वोटों से पार्टी की जीत हुई, उन बूथ के अध्यक्ष और महामंत्री को प्रधानमंत्री से मिलवाया है। पीएम मोदी ने भेरूसिंह चंद्रावत, सुशील कुमार. पुरुषोत्तम पटेल, महेश पटेल, रवि सुमन, अमित पाटीदार, सुधीर दुबे, सचिन पटीदार, अन्नपूर्णा, वंदना सिंह, विनीता मौर्य मुकेश जरिया, मनोज पाल, लक्ष्मीनारायण पानेरिया और आकाश सोनवानिया से मुलाकात की। अक्षय कांति बम जैसे नेताओं को लेकर बोले मोदी इंदौर लोकसभा सीट पर पिछले दिनों नाटकीय घटनाक्रम हुआ। कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने ऐन वक्त पर नाम वापस ले लिया और इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार विहीन हो गई।

महामंडलेश्वर बनवाने के लिए 7.50 लाख रुपए लेने का आरोप, धोखाधड़ी का केस दर्ज होने के बाद घातक कदम

निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने पीया जहर, हालत नाजुक

उज्जैन। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकनी ने जहरीला कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की है। महामंडलेश्वर मंदाकनी को गंभीर हालत में उनके शिष्य जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उनका इलाज किया जा रहा है। उन पर पंचायती अखाड़े के महामंडलेश्वर की उपाधि दिलाने के नाम पर 7 लाख 50 हजार रुपये लेने के आरोप लगाए गए हैं। उन पर एक दिन पहले ही एफआईआर दर्ज की गई थी। बताया जाता है कि इससे आहत होकर महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने यह कदम उठाया है। मन्दाकिनी ने अपने आश्रम में जाकर कीटनाशक पीया। महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने मानसिक प्रताड़ना और साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। उनके खिलाफ सोमवार रात महामंडलेश्वर बनवाने के लिए 7.50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का दर्ज किया गया था। इसके बाद अखाड़े से निष्कासित भी कर दिया था। दरअसल, निरंजनी अखाड़े के महंत सुरेश्वरानंद पुरी महाराज ने चिमनगंज थाने में शिकायत की। इसमें बताया कि महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी ने श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े में उन्हें महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने का लालच दिया था। इसके ऐवज में 15 अप्रैल 2024 को मंदाकिनी को साढ़े सात लाख भी दिए थे। अखाड़े के मुख्यालय में संपर्क किया, तो बताया गया कि रुपए लेकर उपाधि नहीं दी जाती। इसके बाद सुरेश्वरानंद ने रुपए वापस मांगे। महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने रुपए देने से इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने सोमवार देर रात महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। मंगलनाथ स्थित महामाया आश्रम के महंत ने महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस चिमनगंज थाने में दर्ज कराया था। इसके बाद महामंडलेश्वर ने मंगलवार को जहर खा लिया, जिन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के पहले गटक लिया जहरीला पदार्थ

पुलिस ने बताया कि महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी निवासी सांदीपनि आश्रम के सामने व अश्विन निवासी हरिद्वार (उत्तराखंड) के खिलाफ महंत सुरेश्वरवेदपुरी महाराज ने साढ़े सात लाख रुपयों की धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था, लेकिन अस्पताल से सूचना मिली कि मामले में आरोपी मंदाकिनी पुरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया है। सूचना मिलने के बाद थाने से पुलिस अधिकारी मंदाकिनी पुरी के बयान लेने अस्पताल रवाना हुए हैं। अस्पताल के मुताबिक महामंडलेश्वर मंदाकिनीपुरी द्वारा मंगलवार दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष मीडिया के सामने रखने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन उसके पहले ही उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। उनका अस्पताल में उपचार जारी है। बताया जाता है कि महामंडलेश्वर मंदाकिनी ने आश्रम में ही मीडिया से चर्चा कर रही थी। बात खत्म होते ही उन्होंने बोतल में रखा जहरीला पदार्थ गटक लिया।

रुपए लेने के बाद भी पदवी नहीं दिलाई

पुलिस ने बताया कि महंत सुरेश्वरवेदपुरी महाराज महामाया आश्रम मंगलनाथ ने महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी निवासी सांदीपनि आश्रम के खिलाफ लाखों रुपये की धोखाधड़ी का शिकायती आवेदन चिमनगंज थाने में दिया था। इसकी जांच के बाद मंदाकिनी पुरी व अश्विन के खिलाफ धारा 420 सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सुरेश्वरवेदपुरी महाराज ने आवेदन में लिखा था कि मंदाकिनी पुरी ने पंचायती निरंजनी अखाड़े में महामंडलेश्वर की पदवी दिलाने के नाम पर 7.50 लाख रुपए लिए, जिसका भुगतान ऑनलाइन व केश किया गया था, लेकिन रुपए लेने के बाद भी मंदाकिनी पुरी ने पदवी नहीं दिलाई तो सुरेश्ववेदपुरी ने हरिद्वार स्थित निरंजनी अखाड़े में संपर्क किया जहां से जानकारी मिली कि अखाड़े द्वारा किसी भी पदवी या उपाधि के लिये रुपये नहीं लिए जाते हैं और न ही आपका नाम प्रस्तावित है। रुपए देने के सबूत भी है मौजूद सुरेश्वरवेदपुरी महाराज ने पुलिस को बताया कि उन्होंने महामंडलेश्वर की उपाधि के लिए मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी को जो रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे उसका रिकॉर्ड सुरक्षित है इसके अलावा मंदाकिनी द्वारा रुपयों की मांग किए जाने व झूठे केस में फंसाने की धमकी देने की मोबाइल रिकार्डिंग भी उनके पास उपलब्ध है।

मंदाकिनी पुरी ने सभी आरोपों को नकारा

महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी ने खुद पर लगे सभी आरोपों को नकार दिया है। उन्होंने आरोपों को मनगढंत बताते हुए कहा कि मेरे ऊपर झूठे आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उज्जैन में कुछ लोग मिलकर बड़ी साजिश रच रहे हैं। कीटनाशक पीने के पहले महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी ने कहा था कि सुरेश्वरानंद ने कन्यादान और यज्ञ में दान के रूप में 7.50 लाख रुपए 14 से 19 अप्रैल के बीच दिए थे। यह राशि यज्ञ और 51 बेटियों के कन्यादान पर खर्च की गई। इसके बाद सुरेश्वरानंद मुझ पर महामंडलेश्वर की उपाधि दिलाने के नाम पर दबाव बनाने लगे। मैंने उन्हें मना कर दिया था कि इस प्रकार कि कोई उपाधि नहीं मिलती है। इसके बाद वह मुझे ब्लैकमेल कर धमकाने लगे। कुछ दिन पहले उन्होंने मुझे गोली मारने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि मैं तुम्हें बर्बाद कर दूंगा। अब मेरे ऊपर झूठे आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने की साजिश की जा रही है।

भोपाल में तीन स्तर की सुरक्षा में रखी गई ईवीएम, 24 घंटे कड़ी निगरानी

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल में मंगलवार को मतदान होने के बाद सभी 2097 पोलिंग बूथ से ईवीएम को लाकर जिला जेल स्थित स्ट्रांग रूम में रख दिया गया है। यहां पर सात विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम रखी गई हैं, जिनकी 24 घंटे त्रि-स्तरीय सुरक्षा रहेगी। सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस के साथ ही केंद्रीय एजेंसियां भी तैनात की गई हैं। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारी स्ट्रांग रूम की निगरानी कर रहे हैं। सीसीटीवी के जरिए पैनी नजर रखी जा रही है। वहीं, राजनीतिक दलों को ईवीएम की सुरक्षा को

लेकर किसी तरह का शक-शुबहा न रहे, इसके लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। दल के प्रतिनिधि और प्रत्याशी स्ट्रांग रूम के बाहर स्क्रीन पर ईवीएम देख पाएंगे। इसके लिए जेल परिसर में ही स्क्रीन भी लगाई गई है। बता दें कि मतदान के बाद मंगलवार देर रात तक पुरानी जेल में ईवीएम जमा करवाने का सिलसिला चलता रहा।

इधर, भोपाल की लोकसभा ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए मंगलवार को आला अधिकारी देर रात तक पुरानी जेल में पहुंचे। जहां पुलिस के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। सीसीटीवी को चेक किया गया है। अब चार जून को चुनाव के नतीजों के लिए इन मशीनों को निकाला जाएगा।

मध्य प्रदेश में कक्षा नौवीं और 11वीं की पूरक परीक्षा जून में बोर्ड पैटर्न पर होगी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं की पूरक परीक्षा जून में आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में केंद्र बनाया जाएगा। इस बार नौवीं व 11वीं में 11 लाख में से करीब ढाई लाख विद्यार्थी फेल हुए हैं, वहीं करीब 82 हजार विद्यार्थियों को पूरक है। इन विद्यार्थियों की पूरक परीक्षाएं भी बोर्ड पैटर्न के आधार पर होंगी। नौवीं व 11वीं की पूरक परीक्षा जून के प्रथम सप्ताह तक ले ली जाएंगी, ताकि रिजल्ट 30 जून तक किसी भी स्थिति में घोषित हो जाए। प्रश्नपत्र भी बोर्ड पैटर्न पर बनेंगे, जिन्हें राज्य ओपन बोर्ड तैयार करेगा। बोर्ड को विद्यार्थियों के आंकड़ों की जानकारी दे दी गई है। इसी को आधार मानकर जिलों में पेपर भेजे जाएंगे। प्रत्येक विकासखंड के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में ही पूरक परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। भाषा विषयों को छोड़कर अन्य सभी प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी में छपेंगे। पूरक परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन जिला उत्कृष्ट विद्यालयों में

किया जाएगा। मूल्यांकन केंद्राधिकारी माडल आंसर पोर्टल से प्राप्त कर सकेंगे। पूरक परीक्षा के प्रश्नपत्रों के बंडल पुलिस थाने में रखे जाएंगे। 10वीं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को गणित और अंग्रेजी में पूरक मिलता है। ऐसी स्थिति में नौवीं में भी इन विषयों पर फोकस किया जा रहा है, ताकि इन विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में समस्या न हो। अधिकारियों के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट उसी दशा में सुधर सकता है, जब नौंवी और 11वीं कक्षाएं विद्यार्थी ने अच्छी तरह पढ़कर पास की हां। इस कारण ये परीक्षाएं बोर्ड परीक्षा के पैटर्न पर होंगी ।

भोपाल में 64 प्रतिशत वोटिंग, लकी ड्रा में इनाम पाकर खिले मतदाताओं के चेहरे

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल में मंगलवार को कुल 64 प्रतिशत ही मतदान हो सका है। यह मतदान वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की अपेक्षा एक प्रतिशत कम रहा। इतना ही नहीं सीहोर सहित सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में भी मतदान कम हुआ है। इनमें नरेला और हुजूर में चार प्रतिशत तक मतदान में कमी आई है। बता दें कि लोकसभा संसदीय क्षेत्र में कुल 23 लाख 39 हजार 406 मतदाता हैं जिनमें से लगभग 15 लाख मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का उपयोग किया है।हालांकि जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी किए गए यह आंकड़े अंतिम नहीं हैं , इनमें भी बदलाव होने की संभावना है। लोकसभा चुनाव के पिछले दो चरणों में कम मतदान प्रतिशत को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापारियों के सहयोग से जिले के मतदाताओं को बाहर आने और वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक पहल की। इसके तहत हर मतदान केंद्र पर लकी ड्रा आयोजित किए गए, जिसमें हर बूथ पर तीन गिफ्ट लकी ड्रा के कूपन के माध्यम से विजेताओं को प्रदान किए गए। ऐसे में 6291 को पुरस्कार दिए गए।

पुरुषों के साथ महिला मतदाता भी कम निकली

लोकसभा चुनाव के दौरान भोपाल की सात विधानसभा क्षेत्र के दो हजार 97 और सीहोर विधानसभा क्षेत्र के 266 केंद्रों पर पुरुषों के साथ -साथ महिला मतदाता भी कम ही मतदान करने पहुंची।इसी वजह से आठों विधानसभा क्षेत्र में कम मतदान हुआ है। पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में जहां नरेला विधानसभा क्षेत्र में 64.87 प्रतिशत मतदान हुआ था तो इस बार 60.56 हुआ जो कि 4.31 प्रतिशत कम है। इसी तरह दक्षिण -पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 2019 में 59.35 प्रतिशत मतदान हुआ था लेकिन इस बार 55.07 प्रतिशत ही मतदान हुआ है। जो कि 4.28 प्रतिशत कम रहा है। बैरसिया में तीन, मध्य में तीन, गोविंदपुरा में एक प्रतिशत मतदान कम हुआ है। जबकि उत्तर विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत लगभग बराबर ही रहा है।

दोपहर बाद मतदान केंद्रों पर पसरा सन्नाटा

सातों विधानसभा क्षेत्र के दो हजार 97 मतदान केंद्रों पर सुबह छह बजे से मतदाताओं की भीड़ देखी गई थी।मतदान केंद्रों पर ईवीएम में समस्या आने के कारण आधे से एक घंटे देरी से मतदान हुआ । इस वजह से सुबह नौ बजे तक 12 प्रतिशत मतदान हुआ तो फिर 11 बजे तक 27 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद एक बजे तक 40, तीन बजे 50 और शाम पांच बजे तक 58 प्रतिशत मतदान हो सका था। इसके बाद देर रात 10 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 64

प्रतिशत ही मतदान हो सका है।इसस स्पष्ट है कि दोपहर बाद मतदाता केंद्रों तक नहीं पहुंचे।

आलोक -अरुण सहित 22 उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में बंद

लोकसभा चुनाव के मतदान होने के बाद संसदीय क्षेत्र भोपाल के भाजपा उम्मीदवार आलोक शर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार अरुण श्रीवास्तव सहित कुल 22 उम्मीदवारों का भविष्य कुल दो हजार 363 ईवीएम में बंद हो गया है।इधर सुबह सात बजे से मतदान शुरु होने के बाद लोकसभा क्षेत्र की नरेला, मध्य, हुजूर और बैरसिया के कई मतदान केंद्रों पर धीमा मतदान हुआ। जिसको लेकर कांग्रेस उम्मीदवार अरुण श्रीवास्तव ने जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद इन मतदान केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट भेजकर तेजी लाने की कोशिश की गई।

सात विधानसभा में चार प्रतिशत कम मतदान

भोपाल जिले की सात विधानसभा क्षेत्र हुजूर, नरेला, बैरसिया,मध्य, गोविंदपुरा, दक्षिण-पश्चिम और उत्तर में विधानसभा चुनाव 2023 में 66.66 प्रतिशत मतदान हुआ था। जबकि लोकसभा में इन सातों विधानसभा क्षेत्र में लगभग 62 प्रतिशत यानि दो प्रतिशत कम मतदान हुआ है। लोकसभा में सीहोर क्षेत्र का मतदान मिलाने के बाद आंकड़ा 64 प्रतिशत तक पहुंचा है। पिछले 2019 में हुआ था 65 प्रतिशत मतदान लोकसभा चुनाव वर्ष 2019 में कुल 65 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसी लक्ष्य को पार करने के लिए जिला प्रशासन, निर्वाचन कार्यालय सहित अन्य विभाग के अधिकारी कई तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास कर रहे थे। इसका नतीजा यह रहा कि मतदान प्रतिशत 65 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया।जबकि भीषण गर्मी और सुस्त चुनाव प्रचार -प्रसार एवं खामौश मतदाताओं की वजह से इतने प्रतिशत की भी उम्मीद नहीं की जा रही थी।

पाश इलाकों में कम मतदान

भोपाल की पाश कालोनियों में जहां वीआइपी-वीवीआइपी रहते हैं उन क्षेत्र के मतदाताओं ने मतदान करने में ज्यादा रूचि नहीं दिखाई।इनमें शिवाजी नगर , चार इमली, शाहपुरा , गुलमोहर , आकृति गार्डन, रोहित नगर में मतदान करने के लिए लोग कम निकले। यदि यहां से लोग निकलते तो यह मतदान का प्रतिशत बढ़ सकता था।

वोटर आइडी कार्ड नहीं होने से परेशान हुए मतदाता

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल में सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के दौरान वोटर आइडी कार्ड नहीं होने की वजह से मतदाता परेशान दिखाई दिए। इस दौरान मतदाताओं ने बीएलओ से संपर्क किया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है।इस तरह की लगभग 150 शिकायतें अधिकारियों को प्राप्त हुई हैं। इनमें किसी का वोटर कार्ड होने के बाद उसका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया, जबकि किसी के पास पर्ची तो थी, लेकिन फोटो आइडी पेश नहीं कर पाए। सभी शिकायतों को लेकर संबंधित अधिकारियों के द्वारा निराकरण कराया गया।

66 ईवीएम निकलीं खराब, आठ बजे शुरू हुआ मतदान

लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 22 उम्मीदवारों के लिए भोपाल की सात और सीहोर की एक विधानसभा क्षेत्र के 2363 केंद्रों पर मंगलवार को मतदान से पहले माकपोल की प्रक्रिया की गई। इस दौरान 66 मशीनें खराब निकली, जिसकी वजह से 34 बैलेट यूनिट, आठ कंट्रोल यूनिट और 24 वीवीपैट को बदलना पड़ा। ऐसे में इन मतदान केंद्रों पर लगभग एक घंटे तक देरी से मतदान शुरु हुआ। इसके बाद सुबह आठ बजे से शुरु हुए मतदान की धीमी गति रही।इस वजह से 11 बजे तक मतदान 27 प्रतिशत रहा, जबकि सुबह आठ बजे तक यह नौ प्रतिशत था। ग्यारह बजे के बाद मतदान ने गति पकड़ी, जिससे यहां मतदान का प्रतिशत बढ़कर दोपहर एक बजे 40 प्रतिशत पर पहुंच गया। भोपाल लोकसभा सीट पर शाम पांच बजे तक 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।मशीनें बदलने की वजह से मतदान केंद्रों पर सात बजे के बाद तक मतदान चलता रहा।

अयोध्या नगर में मकान में लगी आग महिला झुलसकर हुई घायल

सिटी चीफ भोपाल।

अयोध्या नगर के मंगलवार दोपहर एक मकान की पहली मंजिल पर आग लग गई। इस हादसे में एक महिला झुलसकर बुरी तरह से घायल हो गई। उसे पुलिस कर्मियों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग में घर-गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया है। अयोध्या नगर थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब एक बजे सूचना मिली कि अयोध्या नगर एफ सेक्टर स्थित देवनारायण प्रजापति के घर के प्रथम मंजिल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फतेहगढ़ और गोविंदपुरा फायर स्टेशन से दमकलें रवाना हुईं। दमकल कर्मी असलम खान ने बताया कि मकान गली में अंदर था। वहां तक गाड़ी नहीं पहुंच पा रही थी। इसलिए तीन पाइप

लगाकर आग पर काबू पाया गया। आधे घंटे के कमरे में लगी पूरी आग बूझा दी गई। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। इधर, फायर सेफ्टी आफिसर रामेश्वर नील ने बताया कि आग लगने का कारण अज्ञात है। कमरे में रखा सामान ही आग में जला है।

मकान में ताले को काटकर घुसी पुलिस

टीआइ महेश लिल्हारे ने बताया कि आग बुझने के बाद एसआइ सुदिल देशमुख, प्रधान आरक्षक आशीष ने सीढ़ी पर लगे ताले को काटा और आसपास के करीब लोगों की मदद से पहली मंजिल पर पहुंचे। जहां 45 वर्षीय महिला संगीता प्रजापति बेसुध पड़ी थी। उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे हमीदिया अस्पताल में रैफर किया गया है। जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

महिला बोली, कूलर में हुआ था शार्ट सर्किट

इधर, पुलिस ने मामले में जब महिला संगीता के बयान दर्ज किए तो उसने कूलर में शार्ट सर्किट होने से आग लगना बताया है। जबकि पुलिस का सवाल था कि सीढ़ियों में ताला क्यों लगा रखा था? इस मामले का जवाब महिला नहीं दे पाई है। महिला का पति देवनारायण प्रजापति माली का काम करता है और अपनी दो बालिग और दो नाबालिग बेटियों के साथ रहते हैं। दो दिनों से इस परिवार में विवाद होने की आवाज पड़ोसियों का आ रही थी। पुलिस को एक पड़ोसी ने यह भी बताया कि महिला ने केरोसिन डालकर आग लगाई। लेकिन पुलिस को पीडित महिला संगीता के बयान को आधार मानकर जांच कर रही है और पड़ोसियों के बयान को महिला की बालिग बेटियों से पता करवा रही है।

शिवराज सिंह चौहान की बुधनी विधानसभा में सबसे ज्यादा और अटेर में हुआ सबसे कम मतदान

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में 2019 की तुलना में मतदान में सात से नौ प्रतिशत तक गिरावट के बाद प्रदेश सरकार के मंत्रियों तथा भाजपा, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की साख दांव पर लगी थी। ऐसे में दोनों दलों ने मतदान बढ़ाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा ने अधिक जोर लगाया। तीसरे चरण की नौ लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों में सर्वाधिक 79.44 प्रतिशत मतदान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लोकसभा क्षेत्र विदिशा की बुधनी विधानसभा में हुआ। वह यहां से विधायक भी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार यहां लगभग पांच प्रतिशत अधिक मतदान हुआ। हालांकि, विधानसभा चुनाव में बुधनी में 84 प्रतिशत निर्वाचकों ने मत दिया था। मंत्रियों की बात करें, तो राज्य मंत्री गौतम टेटवाल के विधानसभा क्षेत्र सारंगपुर में सबसे अधिक 78.75 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पूरे राजगढ़ लोकसभा सीट में सर्वाधिक है। सबसे कम एंदल सिंह कंसाना के क्षेत्र में 53.10 प्रतिशत रहा, जो मुरैना लोकसभा सीट में

दिमनी के बाद दूसरा सबसे कम है। यहां विधानसभा चुनाव 2023 में 72.22 प्रतिशत मतदान हुआ था। अर्थात इस बार 19 प्रतिशत मतदान कम हुआ। विधानसभा चुनाव में हुए मतदान की तुलना में मंत्रियों के क्षेत्र में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इन नौ सीटों में सबसे कम मतदान भिंड में 55.44 प्रतिशत रहा। इसी लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली दतिया विधानसभा में 66.78 प्रतिशत निर्वाचकों ने मताधिकार का उपयोग किया। यह पूर्व मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा का विधानसभा क्षेत्र है। हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए विधायक रामनिवास रावत के क्षेत्र विजयपुर में 68. 85 और पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह के क्षेत्र लहार में मतदान का प्रतिशत 52.58 रहा।

हिंदू - मुस्लिम के एजेंडे और संपत्ति छीनने के मुद्दे की गर्माहट से बढ़ा मतदान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल विकास के दावे और उजले भविष्य के वादे राजनीतिक दलों और नेताओं के एजेंडे में भले ही शीर्ष पर रहे हों, लेकिन मतदान में यह निचले पायदान पर चले जाते हैं। मतदाता तब तक खुलकर मतदान के लिए बाहर नहीं निकलता, जब तक कि उसके दिल को छू लेने वाले मुद्दे गर्माहट न ला सकें। लोकसभा चुनाव में पहले दो चरणों में निराशाजनक मतदान के बाद तीसरा चरण उत्साहजनक रहा। इसकी बड़ी वजह हिंदू-मुस्लिम, आरक्षण के साथ संपत्ति छीनने को लेकर कांग्रेस का तथाकथित मुद्दा माना जा रहा है। दरअसल, भाजपा ने चुनावी अभियान मोदी की गारंटी, विकसित भारत और गरीब को समृद्ध बनाने जैसे एजेंडे को लेकर शुरू किया था। पार्टी स्तर पर तो इससे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन चुनावी मैदान में शुरुआती दो चरणों में यह फीकी ही साबित हुई, वहीं कांग्रेस को भी हर गरीब को लखपति बनाने के साथ युवाओं को रोजगार देने जैसे वादों पर यकीन था और एंटी इनकम्बेंसी से फायदे का भरोसा भी, लेकिन उनकी उम्मीदें भी कम मतदान के चलते ठंडी रहीं। तीसरे चरण के चुनावी अभियान में जो मुद्दे सामने आए, उसने मतदाताओं को बाहर निकलने पर जैसे मजबूर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर भाजपा के निचले स्तर तक के नेताओं ने राम मंदिर के बहाने कांग्रेस पर आरोपों की जड़ी लगाते हुए हिंदू मुस्लिम का मुद्दा गरमा दिया। आरक्षण को लेकर भी बयानबाजी तेज हुई, इसके अलावा सैम पित्रोदा के विरासत कानून जैसे बयानों के बाद राहुल गांधी के रुख ने देश में पैतृक संपत्ति को लेकर आम जन के बीच चिंता की लकीरें बढ़ा दीं। खुद से सीधे जुड़े मुद्दों पर मतदाता बड़ी संख्या में बाहर निकले और अपेक्षाकृत मतदान हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और विपक्ष पर एसटीएससी और ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुस्लिमों को देने का आरोप लगाया था। साथ ही यह भी कहा था कि जब तक वह जीवित हैं, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि मोदी ने हर सभा में इस बात को दोहराया। मोदी को यह मुद्दा भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ही दिया है। वे कहते हैं कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण खत्म कर देंगे। कांग्रेस ने यह भी आश्वासन दिया कि वह सत्ता में आई तो जातिगत जनगणना कराएगी और आरक्षण की पचास प्रतिशत की सीमा समाप्त कर देगी। भाजपा इसी आधार पर मतदाताओं को समझाने में सफल रही कि कांग्रेस सत्ता में आई तो मुस्लिमों को आरक्षण दे देगी। राष्ट्रीय स्तर पर छाये मुद्दों ने मध्य प्रदेश में भी खासा असर दिखाया है। माना जा रहा है कि पैतृक संपत्ति छीन जाने के मुद्दे का मंगलसूत्र से जोड़ा जाना महिलाओं को मतदान केंद्र तक ले गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन मुद्दों को उठाते, उन्हें प्रदेश में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने एक-एक मतदाता तक पहुंचाने के लिए भी खासी मेहनत की। विदिशा, भोपाल, गुना में मतदान कम नहीं हुआ, वहीं दिग्विजय सिंह की पदयात्रा ने राजगढ़ में वोटिंग का स्तर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। हालांकि भिंड, मुरैना और ग्वालियर जैसे क्षेत्र में अपेक्षाकृत मतदान न होने की बड़ी वजह वहां के श्रमिकों का पलायन माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश में मौसम के दो रंग, मलाजखंड में एक इंच बारिश, दमोह में पारा 44 पार

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में तीसरे चरण के मतदान के दौरान मंगलवार को सूरज जमकर तमतमाया। इसके चलते पूरे प्रदेश में गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बेचैनी बढ़ा दी। प्रदेश में सबसे अधिक 44.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दमोह में दर्ज किया गया। जो इस सीजन का दिन का सबसे अधिक तापमान है। इसके साथ ही दमोह मंगलवार को देश के मैदानी क्षेत्र के सबसे गर्म शहरों में पांचवें नंबर पर रहा। प्रदेश के 18 शहरों में अधिकतम तापमान 42 से 44.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विज्ञानियों के अनुसार हवाओं का रुख दक्षिणी होने से पूरे प्रदेश में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में उत्तर-पूर्वी मध्य

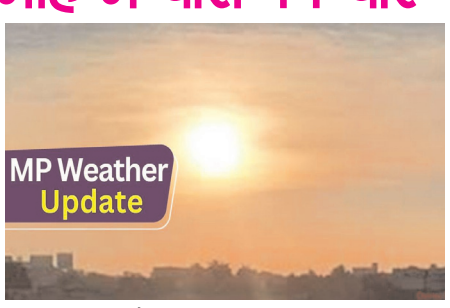

प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। ओडिशा से लेकर राजस्थान तक एक द्रोणिका बनी है, जो मध्य प्रदेश से होकर गुजर रही है। विदर्भ से लेकर तमिलनाडु तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

साम्पदकीय

आखिर किस दौड़ और होड़ में शामिल हो रहे हैं हमारे बच्चे?

अभी हाल ही में बच्चों के यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर के नतीजे आए हैं। अब जल्द ही सी.बी.एस.ई.के परिणाम आ जाएंगे। ये परीक्षाएं और इनके परिणाम महत्वपूर्ण होते हैं, खास इसलिए भी क्योंकि ये 10-12 वर्षों की लगातार मेहनत का फल माने जाते हैं। इस समय बच्चों सहित पूरे परिवार का ध्यान केवल बच्चों के अंकों के उतार-चढ़ाव पर ही रहता है जिसके 99 प्रतिशत अंक आते हैं उसे 1 प्रतिशत कम आने का गम घेरता है जिसकी तीसरी पोजीशन होती है उसको दूसरी पोजीशन और दूसरे वाले को पहली रैंक ज्यादा आकर्षित करती है इसलिए खुशियों के माहौल में संतुष्टि नदारद रहती है।हम सभी इस दौर से होकर गुजरे हैं पहले और आज के रिजल्ट आने की प्रक्रिया और परिणामों में बहुत परिवर्तन हो चुके है। पहले ज्यादातर माता-पिता, जो कम पढ़े लिखे होते थे और उन्हें मनोविज्ञान के विषय में जानकारी नहीं थी लेकिन वे बच्चों का मानसिक दबाव कम करने का काम बखूबी जानते थे। वे 10वीं-12वीं की कक्षाएं प्रारंभ होने के साथ ही यह कहना आरंभ कर देते थे कि पास होने भर के अंक आ जाएं बस, चाहे थर्ड क्लास ही क्यों न आए, बस पास हो जाना ज्यादातर माता पिता सिलेबस और पढ़ाई के डेली रूटीन से भी अंजान रहते थे। उनकी प्रार्थना और दुआएं भी बच्चे के पास होने तक ही रहती थी। शायद उनका डर उनकी ख्वाहिश से बड़ा रहता था कि कहीं बच्चों को तनाव न हो जाए। हालांकि, पहले 60 प्रतिशत अंक आने में गांव में हफ्तों चर्चाएं हुआ करती थी, जिनके 60त्न अंक आते थे। उनके माता-पिता का सीना गर्व से महीनों तक फूला रहता था। इसके विपरीत अब तो 80 प्रतिशत अंक भी संतुष्टि के दायरे से बहार कर दिए गए हैं, जिसका परिणाम है की हम बच्चों में अनावश्यक दबाव बढ़ाते जा रहे हैं। हम समझ ही नहीं पा रहे कि हम अपने बच्चों को जीवन की किस दौड़ में शामिल करा रहे हैं। जहां मंजिल पर पहुंच कर नंबर वन बने रहने की भूख उन्हें खोखला बना रही है और जीवन के आनंद से वो वंचित हो रहे हैं। इधर, पहले भी सबसे संवेदनशील रिजल्ट के तौर पर 10-12 वीं का ही परिणाम था। हफ्तों पहले से परिवार वाले बच्चों पर नजर बनाए रखते थे। इतने पर भी बहुत सारे बच्चे परिणाम आने के पहले और बाद में आत्महत्या करने की कोशिश करते थे। कुछ के तो आत्महत्या के बाद आने वाले परीक्षा परिणाम में बहुत अच्छे नंबर भी होते थे जिन्हें देख उनके माता-पिता जीवन भर का दु:ख सहन करने के लिए मजबूर हो जाते थे। आस-पड़ोस वाले उन बच्चों का उदाहरण देकर दूसरे बच्चों को मोटिवेट किया करते थे ताकि वो कोई गलत कदम न उठाए, जिसका परिणाम होता था कि बच्चे अंकों की दौड़ में जीवन में संतुलन बनाना सीख लेते थे और बड़ी परीक्षाओं में फेल होने पर भी जीवन की परीक्षा में वे पास हो जाते थे। तब कोटा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि विभिन्न स्थानों से इतनी बड़ी संख्या में हृदय विदारक खबरे कम ही आती थी तब सबसे संवेदनशील पड़ाव 10-12वीं ही हुआ करते थे। ऐसा नहीं है की आज के माता पिता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखते हैं। बस नंबर और कैरियर की प्रतिस्पर्धा उनमें ठूस-ठूस कर भर रहे हैं जो बच्चों को खुद को समझने, समझाने का मौका नहीं देते। उन्हें यह समझाना बेहद जरूरी है कि नंबरों के इतर भी खूबसूरत दुनिया है। कम अंकों वाले भी दुनिया में बड़ी उपलब्धियां हासिल करते हैं। अपने परिवार और देश का नाम रौशन करते हैं। तनाव का हल आत्महत्या नहीं बल्कि मजबूती से खुद को नई चुनौतियों के लिए तैयार करना होता है। खुद को तनाव से बाहर निकालना होता है। दुनिया के महान मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चें जैसे-जैसे बड़े होते हैं उनके मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल और भी जरूरी हो जाती है। माता पिता को उन्हें समझना जरूरी हो जाता है। हर बच्चे में कोई ना कोई विशेष गुण होता है, कुछ बच्चे पढ़ने में अच्छा करते हैं तो कुछ का मन पढ़ने में बिल्कुल नहीं लगता उन्हें कुछ और करना होता है इस पर हम नंबरों का दबाव उनपर बनाते हैं जो किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे- पढ़ाई से संबंधित समस्याएं, शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं, अकेलापन, एकाग्रता का कम होना, वर्तमान में सोशल मीडिया और मोबाइल का अत्याधिक प्रयोग भी ज्यादातर समय तनाव में रहने के लिए जिम्मेवार हैं। ऐसे में उनका विशेष ध्यान रखने के बजाए हम उन पर अनावश्यक दबाव बनाये जा रहे हैं, जो किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।आज के दौर में तनाव एक ऐसी समस्या है जो बच्चों में भी तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। अब बच्चे घर छोड़ने के बात मम्मी ने जलेबी बनाई है सुनकर नहीं लौटते जैसे 90 के दशक के टीवी एड में दिखाया जाता था। बच्चों की जरूरतें पहले से ज्यादा विकसित हो गई हैं। उनके सलाहकार गूगल बाबा हैं। जो सवाल से जवाब तक और मर्ज से इलाज तक मिनटों में ढूंढ लेते हैं। परिवार सीमित हो गए हैं। रिश्तों के नाम पर औपचारिकता का बोल बाला है जिसके कारण बच्चों को समझने समझाने वाले कांधे कम होते जा रहे और लगातार मनोचिकित्सकों की डिमांड बढ़ती जा रही है जो की भारत जैसे विकासशील देश में, देश के हर कोने में पहुंच से बाहर हैं। अभी मनोचिकित्सकों की कमी को पूरा करने में समय लगेगा। ऐसे में किशोर अवस्था से गुजरते हुए दौर में बच्चों के बढ़ते तनाव पर खासी नजर रखने की आवश्यकता है। घर और स्कूल, कॉलेजों में बच्चों की समय-समय पर काउंसलिंग करवाने की जरूरत है। बच्चे ही देश का भविष्य हैं इनके मानसिक स्तर का मजबूत होना देश हित के लिए बेहद जरूरी है। भारत युवाओं का देश है और हर बच्चे में कुछ खास गुण जन्मजात होते हैं जिन्हें पहचान उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का काम माता पिता और शिक्षकों का है।

भस्म आरती में श्री गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, मस्तक पर लगाया नम: शिवाय का त्रिपुंड

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैसाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट रुद्राक्ष व मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज अमावस्या तिथि पर बुधवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल के मस्तक ? नम: शिवाय का त्रिपुंड लगाया गया और बाबा महाकाल का श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया।श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।भस्म आरती में श्री गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, मस्तक पर लगाया ? नम: शिवाय का त्रिपुंड विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैसाख कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट रुद्राक्ष व मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज अमावस्या तिथि पर बुधवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल के मस्तक ? नम: शिवाय का त्रिपुंड लगाया गया और बाबा महाकाल का श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया।श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया।

थमने के बजाय बढ़ रही जंगलों की आग थामने के लिए नहीं हो सके ठोस उपाय

उत्तराखंड के अधिकांश हिस्से को कवर करने वाले देवदार जैसे शंकुधारी (कोनिफर) पेड़ों के प्रभुत्व के साथ स्प्रूस वन, पाइन, रोहडेनड्रोन के साथ यहां पाए जाने वाले पर्णपाती वनों में साल, सागौन और ओक जैसे चौड़ी पत्ती वाले पेड़ों का प्रभुत्व है। पीढ़ियों से जंगलों के ये विशाल क्षेत्र बेशकीमती रहे हैं, जो न केवल सैकड़ों प्रजातियों को घर प्रदान करते हैं (जिनमें सर्वाधिक खतरे में पड़ी कुछ प्रजातियां भी शामिल हैं), बल्कि वे ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन से यादा उन्हें अवशोषित करते हैं, जो एक विशाल कार्बन सिंक के रूप में कार्य करती हैं।

विशाल हिमालय के बीच स्थित उत्तराखंड, जिसे देव भूमि कहा जाता है, अपने में विविध वनस्पतियों और जीवों से भरपूर एक हरा-भरा स्वर्ग समेटे हुए है। बर्फ से ढकी चोटियां, घने जंगल और घाटियां, जिनमें उष्णकटिबंधीय वर्षा वन, शीतोष्ण वन और अल्पाइन घास के मैदान शामिल हैं, यहां की अनूठी विशेषता है। यहां ब्राह्मी, अश्वगंधा और कुथ सहित 1,748 से अधिक वनस्पति की प्रजातियां हैं। यह पक्षियों की 600 से अधिक प्रजातियों का घर है। उत्तराखंड जिम कॉर्बेट, राजाजी, नंदा देवी, फूलों की घाटी और गंगोत्री को अपने में समेटे है।लेकिन पिछले कुछ वर्षों से बढ़ रही गर्मी में उत्तराखंड के जंगल की आग असाधारण रूप से भयावह रही है, जो हर साल बढ़ती ही जा रही है। अभी हाल में उत्तराखंड में 1,145 हेक्टेयर से अधिक जंगलों को आग अपने आगोश में ले चुकी है। चिलचिलाती गर्मी के कारण जंगलों की आग बेकाबू हो रही है। जंगलों में लगी आग के कारण घाटी में धुआं फैलने से लोग खासे परेशान हैं। हर साल फरवरी-मार्च से जंगलों में आग की खबरें आना एक सामान्य घटना है। लेकिन उत्तराखंड के जंगलों के धधकने का सिलसिला थमने के बजाय बढ़ता जा रहा है। शुष्क मौसम के चलते जंगल की आग और विकराल होती जा रही है। टिहरी बांध प्रथम वन प्रभाग, नैनीताल वन प्रभाग, भूमि संरक्षण रानीखेत वन प्रभाग, अल्मोड़ा वन प्रभाग, सिविल सोयम अल्मोड़ा वन प्रभाग, तराई पूर्वी वन प्रभाग, रामनगर वन प्रभाग, मसूरी वन प्रभाग, लैंसडौन भूमि संरक्षण वन प्रभाग, सिविल सोयम पौड़ी वन प्रभाग, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग आदि में जंगल धधक रहे हैं। उत्तरकाशी जिले की बाड़ाहाट रेंज से लेकर धरासू रेंज के जंगल अधिक जल रहे हैं। दरअसल जंगलों की आग धरती के गर्म होने की वजह से लंबे समय तक खिंचने लगी है। जंगलों में आग लगना असामान्य नहीं है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह भी है कि अब जंगलों में आग लगने की घटनाएं तब हो रही हैं, जब पहले नहीं हुआ करती थीं। जाहिर है कि इसका सीधा नाता बदलते मौसम, यानी जलवायु परिवर्तन से है। इस साल की शुरुआत में उत्तराखंड में सर्दियों में बारिश बहुत कम हुई। हर साल की तरह 50 मिली मीटर के बजाय इस वर्ष वर्षा का स्तर 10 मिमी के आस पास ही रहा, जोकि सामान्य से बहुत यादा कम है। हिमालय में वैसे भी ग्लोबल वार्मिंग की दर सबसे यादा है। मानसून की बारिश का अभाव वहां मौजूद वनस्पति को सूखा कर वलनशील ईंधन में तब्दील करने के लिए पर्याप्त है। जाहिर है कि गर्मी बढ़ने से पेड़-पौधे यादा सूख रहे हैं, धरती का पानी सूख रहा है, टूटे पत्ते जल्दी सूख रहे हैं और सूखे पत्ते भी आग लगने का सबब बनते हैं। तेज गर्मी के चलते पहाड़ों पर उगने वाले झाड़-झंखाड़ के सूख जाने से शुष्क ईंधन की उपलब्धता भी इन दिनों बढ़ गई है और यह आसानी से जल उठती है। एक वैज्ञानिक अनुमान के हिसाब से, इस गर्मी में जब आग की लपटों ने दुनिया के जंगलों के सबसे बड़े हिस्सों में से एक को निगल लिया, और बदले में 2.2 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में छोड़ दिया। उत्तराखंड के जंगलों की आग कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर संभवत: देश के वार्षिक कार्बन पदचिह्न को बढ़ा देगी, क्योंकि जलवायु प्रणाली टिपिंग पॉइंट पर पहुंच गई है। दुनिया भर में जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटनाएं यह सवाल उठा रही हैं कि कहीं कार्बन सिंक से कार्बन उत्सर्जन के स्रोत न बन जाएं हमारे जंगल। यह मुद्दा एक वैश्विक समस्या बन चुका है। वैज्ञानिकों ने इस बात के लिए भी चेताया कि आने वाले समय में स्थितियां और भी गंभीर हो सकती हैं।

चीन की शह पर नेपाली दुस्साहस, अकारण नहीं है मुद्रा पर विवादित नक्शे का अक्स

दो दिसंबर, 1815 को ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच सुगौली संधि पर हस्ताक्षर किया गया था और बाद में चार मार्च, 1816 को इसकी पुष्टि की गई थी, जिसने हिमालय साम्राय और औपनिवेशिक भारत के बीच सीमा रेखा स्थापित की। सुगौली संधि के अनुसार, काली नदी को दोनों देशों के बीच सीमा के रूप में स्वीकार किया गया था, लेकिन नेपाल लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना स्वामित्व जताता रहा, जिसका जमीनी हकीकत से कोई वास्ता नहीं है।

वर्ष 1816 से 2024 के बीच कई तरह के नक्शे प्रकाशित किए, जिसने सीमा के मुद्दे को और जटिल बना दिया। दोनों देशों की सरकारों द्वारा गठित सीमा आयोगों के नतीजों से वांछित परिणाम नहीं मिले हैं। अब नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार ने अपनी मुद्रा पर नेपाल का एक नया नक्शा प्रकाशित किया है, जिसमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे भारतीय क्षेत्र को नेपाल के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है, जिससे सदियों पुराने रिश्ते खतरे में पड़ गए हैं, क्योंकि इस तरह के गैर-राजनयिक कदम से भविष्य में खुला टकराव हो सकता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के साथ संबंधों को मजबूत करने का काफी प्रयास किया है और आधे दर्जन से अधिक बार नेपाल का दौरा किया, जिसमें 2022 में लुंबिनी की यात्रा भी शामिल है, जब उन्होंने भिक्षुओं, बौद्ध विद्वानों और गणमान्य लोगों की सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि बुद्ध की प्रासंगिकता किसी भौगोलिक सीमा में सीमित नहीं है, बल्कि वह सबके हैं। उन्होंने भारत-नेपाल रिश्तों की तुलना पहाड़ों की ऊंचाई से करते हुए इसे प्रौद्योगिकी, विज्ञान और बुनियादी ढांचों के विकास तक विस्तार देने की प्राथमिकता जताई। लेकिन लगता है कि नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार इस रिश्ते को नष्ट करने पर तुली हुई है, जो कि हिमालयी साम्राय के लोगों के हितों के खिलाफ होगा। अब नई दिल्ली में आने वाली नई सरकार के लिए चीन समर्थक नेपाल से निपटने के लिए फिर से एक नई रणनीति तैयार करने की अग्निपरीक्षा होगी। संभवत: नेपाल के साथ संबंध बनाए रखने के लिए भारत लचीला रुख अपना सकता है। कूटनीतिक विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि नेपाल सरकार को चीन भारत पर दबाव बनाने के लिए उकसाता है, जिससे रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं और नेपाल में चीन को बढ़त मिल सकती है। प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार, जिसमें चीन समर्थक एवं भारत विरोधी पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री केपीएस ओली प्रमुख भागीदार हैं, ने हाल ही में सौ रुपये की नेपाली मुद्रा छापने का आक्रामक फैसला किया, जिसमें नेपाली नक्शे में भारतीय क्षेत्रों को दर्शाया गया है। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट कर दिया कि नेपाल के इस कदम से जमीनी स्तर पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि हम स्थापित मंच के माध्यम से सीमा मुद्दों पर नेपाल से बातचीत कर रहे हैं। इस बीच नेपाल ने एकतरफा तौर पर अपनी तरफ से कुछ कदम उठाए हैं। भारत पहले ही नेपाल की ऐसी कोशिशों को नकार चुका है। इसके विपरीत, नेपाल का दावा है कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारत ने तीन क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया, जो विवाद का विषय रहा है, क्योंकि यह वास्तविकता से बहुत दूर है और सुगौली संधि की भावना के खिलाफ है। नेपाल की मुद्रा पर नया नक्शा छापने के नेपाल सरकार के फैसले ने नई दिल्ली में कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। इससे पहले भी तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री ओली ने नया नक्शा तैयार कराया था, जिसमें भारत के इन क्षेत्रों को नेपाल में दिखाया गया था। इससे भारत नाराज हो गया था और इस शरारती कदम को सिरे से खारिज कर दिया था। ओली ने आठ मई, 2020 को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा उत्तराखंड के धारचूला से लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क के उद्घाटन पर भी आपत्ति जताई थी। नेपाल ने भारत के नव उद्घाटित लिंक रोड पर भी असहमति जताई थी, जो लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर को जोड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई सरकार मुख्य रूप से प्रचंड के सीपीएन (माओवादी सेंटर) और सीपीएन-यूएमएल, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेतृत्व वाले चीन समर्थक वफादार गुटों का संयोजन है, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली करते हैं, एक घातक जोड़ी बनाता है। यह कटु सचाई है कि ओली नेपाल की गठबंधन सरकार पर हावी हो रहे हैं, क्योंकि प्रचंड (32 सांसद) की तुलना में उनके पास 77 सांसदों का बहुमत है। प्रचंड और ओली कट्टर कम्युनिस्ट हैं, जो शायद भारत और चीन के साथ संतुलन बनाने में सहज महसूस नहीं कर रहे होंगे। यह एक स्थापित तथ्य है कि नेपाल नमक से लेकर पेट्रोलियम उत्पादों तक आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत पर पूरी तरह से निर्भर है। अगर नेपाल का झुकाव चीन की तरफ होता भी है, तो भौगोलिक रूप से उन वस्तुओं को चीन से आयात करना उसके लिए संभव नहीं है। भारत ने 53.9 करोड़ डॉलर का निर्यात किया और फिर नेपाल से 6.21 करोड़ डॉलर का आयात किया, जिससे व्यापार संतुलन में 47.7 करोड़ डॉलर की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि व्यापार एवं उद्योग के आंकड़े बताते हैं कि नेपाल से आयात एवं निर्यात, दोनों में जनवरी, 2023 और जनवरी, 2024 के बीच कमी दर्ज की गई है। चीन ने हाल ही में मालदीव को अपने पक्ष में कर लिया है और अब नेपाल भी उसी का अनुसरण कर रहा है। यह भारतीय कूटनीति के लिए गंभीर चुनौती है, इसलिए भारत को मालदीव और नेपाल के साथ संयम और लचीलेपन से निपटना चाहिए और इस क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद पर अंकुश लगाने के लिए बातचीत को प्राथमिकता देनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल के कम्युनिस्ट भारत विरोधी प्रचार को ग्रामीण स्तर तक फैलाने में सफल हो गए हैं, जो कूटनीतिक रूप से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि यह नेपाल के लोगों के हितों के खिलाफ होगा।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: सई परांजपे- प्रमुख महिला स्क्रिप्ट राइटर

नए सिने-दर्शक/सिने-प्रेमी भले ही सई परांजपे के नाम से परिचित न हों, मगर वे सिने-संसार में एक बड़ा नाम हैं। आपने 'स्पर्श', 'चश्मे बद्दूर', 'कथा' जैसी फिल्में अवश्य देखी होंगी, कम-से-कम इनके नाम अवश्य सुने होंगे। सिने-संसार सई परांजपे को सफल सिने-निर्देशक के रूप में जानता-पहचानता आया है। एक ओर वे लोकप्रिय सिनेमा का हिस्सा रही हैं, इसके साथ समीक्षक भी सदा से उनके प्रशंसक रहे हैं। मगर इसके साथ उन्होंने स्क्रिप्ट राइटिंग भी की है। आज उनके इसी रूप की चर्चा करती हूं। स्क्रिप्ट राइटर, निर्देशक, अभिनेता सई परांजपे के भीतर रूस और भारत का साझा रक्त है। उनका जन्म 19 मार्च 1938 को हुआ था। उनके पिता रूसी थे और मां महाराष्ट्र से ताल्लुक रखती थीं। पिता चित्रकार थे और मां शकुंतला मराठी अभिनेत्री। उनके नाना ऑस्ट्रेलिया में भारत के राजदूत थे और उन्हें सर की उपाधि प्राप्त थी। माता-पिता के विवाह-विच्छेद के बाद वे नाना आर. पी. परांजपे के यहां पली-बढ़ीं। उनकी मां इंग्लैंड में पढ़ी थीं।कई देशों में शिक्षा प्राप्त सई की आठ वर्ष की उम्र में पहली किताब (मराठी भाषा में) प्रकाशित हुई थी और बाद में कॉलेज में उन्हें अभिनय के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षण लिया था। फिल्म बनाने के पूर्व वे नाटक तथा प्रोग्राम लिख रही थीं। उन्होंने मंच अभिनेता अरुण जोगलेकर से शादी की, पर शादी चली नहीं। पर दोनों मित्र बने रहे, एक-दूसरे के लिए, एक-दूसरे के साथ काम करते रहे।

मिस्टर एंड मिसेज माही का पोस्टर जारी, स्टेडियम में चीयर करते दिखे जान्हवी-राजकुमार

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बीते लंबे समय से अपनी रिलीज को लेकर चर्चाओं में है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा है। वहीं, अब फिल्म के कुछ और पोस्टर्स जारी किए गए हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राजकुमार राव इन दिनों अपनी दो फिल्मों को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। अभिनेता की फिल्म श्रीकांत भी जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, दूसरी ओर वह जान्हवी कपूर के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही में भी नजर आने वाले हैं। अब हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म के कुछ नए पोस्टर्स भी जारी किए हैं, जिसमें दोनों कलाकार स्टेडियम में चीयर करते हुए नजर आ रहे हैं। फैंस को फिल्म का पोस्टर काफी पसंद आ रहा है।मालूम हो कि फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की घोषणा निर्माता करण जौहर ने नवंबर 2021 में की थी, और मई 2022 में इसकी शूटिंग शुरू हुई। यह फिल्म 2021 की हॉरर थ्रिलर रूही के बाद जान्हवी और राजकुमार के दूसरे सहयोग का प्रतीक है। फिल्म में अभिषेक बनर्जी, राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की शूटिंग 1 मई को पूरी हो गई थी।बता दें कि फिल्म 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली है। पहले इसे 19 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब मेकर्स ने इसकी डेट आगे बढ़ा दी गई है। फैंस भी एक बार फिर स्क्रीन पर फ्रेश जोड़ी देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, क्रिकेट प्रेमी दर्शक भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह टीम इंडिया के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान और थाला महेंद्र सिंह धोनी के आधारित है।

इस बार हर किसी की जुबां से निकलेगा ओ स्त्री कल आना, जना का दावा, दर्शकों को मिलेगा कॉमेडी का डोज

बॉलीवुड में बहुत कम हॉरर-कॉमेडी फिल्में बनती है। इस तरह की फिल्में काफी दिलचस्प होती है। हिंदी में कुछ ही फिल्में ऐसी है, जो दर्शकों को डराने के साथ-साथ हंसाने में भी कामयाब रही है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की स्त्री ऐसी ही एक फिल्म है, जिसने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया था। इस फिल्म का दूसरा भाग जल्द ही देखने को मिलेगा। वहीं, अब खबर आ रही है कि जना बनकर अभिषेक बनर्जी एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पर्दे पर हाजिर होंगे।हाल ही में, अभिषेक बनर्जी से अपनी आगामी फिल्म के बारे में खुलकर बात की और स्त्री 2 में अपने किरदार से भी पर्दा हटाया। इंटरव्यू में जब अभिनेता से पूछा गया कि स्त्री 2 में क्या उनका स्क्रीन टाइम बढ़ाया गया है? इस पर अभिनेता ने कहा, स्त्री 2 में सब कुछ बड़ा है। इसे बहुत बड़े स्तर पर शूट किया गया है। जितना मैंने देखा है कि इसका वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट) भी बहुत अच्छा है।अभिनेता ने आगे कहा, फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर और पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना बहुत ही अच्छा अनुभव रहा। जना का किरदार मेरे लिए इतनी आसान हो चुका है कि मैं कभी भी कैमरे के सामने उसे निभा सकता हूं क्योंकि जना की भूमिक मेरे बचपन से मिलती-जुलती है। मेरे घर का नाम भले ही भोला है, लेकिन मैं डरपोक बंगाली बचा था।अपने बचपन के किस्सों को साझा करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं मम्मी का बहुत ही दुलारा बेटा हूं। इस भूमिका में मुझे कुछ यादा नहीं करना पड़ा, बस बचपन के कुछ कुछ पलों को याद किया और इस भूमिका में डाल दिया। इसका श्रेय निर्देशक अमर कौशिक को जाता है, क्योंकि इससे पहले मुझे यादातर लोग निगेटिव भूमिकाओं में ही लेते थे। बता दें कि फिल्म स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। इसके निर्माता जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान हैं। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के साथ-साथ पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का पहला भाग साल 2018 में रिलीज हुआ था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। यह फिल्म हिट हुई थी।

तोल मोल के बोल वाले दिनों में खोईं मिनी, बोलीं-

तब मुझमें वह नया जोश और पोस्ट ग्रेजुएट वाला..

मिनी माथुर बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर टेलीविजन होस्ट किया था। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को एक अभिनेत्री के तौर पर भी बॉलीवुड में स्थापित किया। हाल ही में मिनी माथुर ने अपने इंस्टग्राम हैंडल से अपनी कुछ पुरानी तस्वीरों को साझा किया है। उन तस्वीरों में आर माधवन में देखे जा सकते हैं। ये तस्वीरें गेम शो तोल मोल के बोल के सेट की हैं। आइए आपको बताते हैं मिनी माथुर ने इस पोस्ट को साझा करते हुए क्या लिखा है जो इंटरनेट पर इतना वायरल हो रहा है। मिनी माथुर ने एक थ्रोबैक पोस्ट किया है। जिसमें वे आर माधवन के साथ नजर आ रही हैं। मिनी ने फोटो साझा करते हुए लिखा है, यह बात कोई साल 1995 की है। बतौर टीवी होस्ट यह मेरा पहला दिन था। मैं जे वाल्टर थॉम्पसन से एमबीए करके आई थी। मुझ में अलग लेवल का आत्मविश्वास था। उन दिनों मैं पार्ट टाइम मॉडलिंग करती थी। मैंने सोचा नहीं था कि मुझे होस्टिंग के लिए बुलाया जाएगा। मिनी आगे लिखती हैं, उन दिनों भारत के पहले सैटेलाइट चैनल जी टीवी के लिए आया था। एक दिन मुझे भारत के पहले गेम शो तोल मोल के बोल के लिए ऑडिशन के लिए बुलाया गया। उन्हें नए होस्ट्स की जरुरत थी। मैं गई और मेरा सलेक्शन हो गया। मैंने सोचा भी नहीं था कि वे मुझे चुन लेंगे। मैं कैमरे के सामने जरा भी नहीं घबराई। जैसे ही निर्देशक ने एक्शन कहा मैंने काम करना शुरू कर दिया था। मिनी माथुर का शो तोल मोल के बोल को आज भी पुराने दर्शक याद करते हैं। मिनी की इंस्टग्राम पोस्ट इंटरनेट पर वायरल हो रही है। यूजर्स आकर शो से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कर रहे हैं। मिनी ने बताया कि, मेरे साथ को-होस्टिंग करने के लिए एक नया लड़का आया था। वे कोई और नहीं बल्कि आर माधवन थे। उस शो से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला था। मैं हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

क्या हुआ जब मुंबई आकर शेखर ने बजाई शम्मी आंटी के फोन की घंटी, पूरी कहानी, उनकी जुबानी

अबकी बार की चुनावी चर्चा से अभिनेता शेखर सुमन कोसों दूर हैं। सियासत से उन्हें कोई गिला भी नहीं है और न ही इससे इनकार है। बस, वह इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं और अपने बेटे अध्ययन के साथ इस सीरीज में किए गए किरदारों को खूब याद कर रहे हैं। मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी पश्चिम की एक गगनचुंबी इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहने वाले शेखर सुमन की शख्सीयत के लोग आज भी कायल हैं। जमीन से जुड़े, बातों में बेफिक्री और दिल मिल जाए तो ठट्ठा लगाकर हंसना उनको खूब भाता है। इस एक घंटे लंबी बातचीत में शेखर सुमन ने याद किया है, अपना वो सफर जिसे उन्होंने पहली बार खुलकर बयां किया है, 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल के सामने।जी हां, 26 सितंबर 1985 को रिलीज फिल्म 'उत्सव' से गिनें तो अगले साल इसके 40 साल पूरे हो जाएंगे। 'हीरामंडी' में भी वैसा ही माहौल है। वैसा ही पीरियड सिनेमा, उतने ही भव्य सेट, उतने ही महान फिल्मकार। 'उत्सव' में शशि कपूर, गिरीश कर्नाड, रेखा के साथ काम करना, भी एक कमाल का दौर था। एक कमाल ये भी था कि बंबई (अब मुंबई) आए हुए अभी मुझे दो हफ्ते भी नहीं हुए थे और मुझे ये फिल्म मिल गई थी। इसे ही किस्मत कहते हैं। ये सारा नसीब में होता है।भंसाली साब के साथ एक मौका मिला था मुझे फिल्म 'देवदास' में काम करने का जो मैं नहीं कर पाया, वह चुन्नीलाल का रोल था। उनके लिए दिल में बहुत एहतराम है। हमेशा से उनके लिए बहुत सारा प्यार और अकीदत रही है। मुझे यूं लगता है कि जो बड़े फिल्ममेकर रहे हैं जैसे गुरुदत्त, कमाल अमरोही, के आसिफ साब, राज कपूर, बिमल रॉय आदि, इन सबकी मानवीय भावों पर बहुत जबरदस्त पकड़ रही है। खासतौर से गुरुदत्त और राज कपूर जैसे फिल्मकार जब साहिर और शैलेंद्र जैसे गीतकारों के साथ मिलकर कुछ रचते थे तो उसका असर विलक्षणकारी होता था। किरदारों की नब्ज पकड़ लेना और इन किरदारों के भीतर जहनी और रूहानी तौर पर चले जाना ही एक फिल्मकार की जीत है।मैंने उनकी पहली फिल्म 'खामोशी' जब देखी तो मुझे लगा कि इस निर्देशक में कोई बात है। उनके अब के सिनेमा के मुकाबले उसमें कोई भव्यता नहीं थी। लेकिन, मानवीय भावनाओं पर उनकी वो पकड़ कमाल थी। नाना पाटेकर और सीमा बिस्वास के किरदार, और उनका मनीषा कोइराला के किरदार के बीच जो समीकरण बना है, वह बहुत खूबसूरत है। 'हम दिल दे चुके सनम' तक आते आते वह थोड़ा कमर्शियल हुए लेकिन इसके बावजूद, जो सारे रिश्ते उन्होंने इस फिल्म में बनाए, अजय देवगन, सलमान और ऐश्वर्या के किरदारों के बीच या कि ऐश्वर्या के किरदार और उनके पिता के बीच, वह एक बहुत ही जज्बाती इंसान ही ऐसा कर सकता है। आज तक उस बात को सोचकर मेरी नींदें उड़ जाती हैं कि कैसे ये हुआ। जब मुझे ये बताया गया था। वह बिल्कुल अकल्पनीय था। ये हो नहीं सकता था। शशि कपूर जी ने जब मुझे पहली बार बताया था कि तुम फिल्म के लिए चुन लिए गए हो तो मैं पृथ्वी थियेटर से अंधेरी ईस्ट में रहने वाली अपनी बहन के घर, जहां मुंबई आने के बाद मैं रुका था, के घर तक पैदल भागते पहुंचा था। चप्पलें भी रास्ते में कहीं छूट गईं।

प्रादेशिक

सहारनपुर के देवबंद मेले में आयोजित हुआ ऑल इंडिया कव्वाली कार्यक्रम

देर रात तक कव्वालों ने दी अपनी-अपनी प्रस्तुतियां

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, नगर पालिका परिषद देवबंद के तत्वाधान में श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेला में आयोजित मेला पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ऑल इंडिया कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देर रात तक कव्वालों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने दाद-ओ-तहसीन से नवाजा। प्रसिद्ध कव्वाल एजाज साबरी व इनाम साबरी और सीमा चिश्ती ने मेला पंडाल में अनेको फिल्मी कव्वालिया सुनाकर श्रोताओं को भोर होने तक मदमस्त किए रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग और मेला चेयरमैन अंकित राणा रहे। कव्वाली कार्यक्रम का उद्घाटन डा. कमरुज्जमा कुरैशी और चौधरी सुखपाल ने संयुक्त रुप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगेश कुमार दाहिया ने की। शमा रोशन राजकिशोर गुप्ता जबकि दीप प्रज्जवलित अजय गांधी ने किया। प्रसिद्ध शायर ऐजाज साबरी और इनाम साबरी ने मेरे प्यारे नबी सारे नबियों में अफजल तुम्ही हो तुमसे कोई आला नहीं है.. सुनाकर श्रोताओं से दाद-ओ-तहसीन हासिल की। सीमा चिश्ती ने भी कव्वाली का आगाज कोई ईश्वर कहके पुकारे, कोई रहमान, सबसे ऊंची है मौला तेरी शान सुनाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद हुए मुकाबले में उन्होंने भी भर दे झोली मेरी या मोहम्मद, दर्द मीठा, मीठा सा दिल में यार होता है और मोहब्बतों में तोहफा जरुरी सहित श्रोताओं की मांग पर कव्वालियां पेश कर समां बांध दिया। कार्यक्रम के संयोजक सलीम कुरैशी और सह संयोजक सभासद रिजवान गौड ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शराफत मलिक, वसीम मलिक, सय्यद हारिस सभासद, चौधरी धर्मपाल, प्रदीप शर्मा, डा. सय्सद नासिर शाह, तस्सवुर अली, दीपक राज सिंघल, अशोक गुप्ता, हाजी खलील और अहसान खान आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध निर्माण के विरुद्ध विकास प्राधिकरण की कार्यवाही हुई तेज

तीन अवैध कॉलोनी में चला बुलडोजर

सहारनपुर, सहारनपुर में अवैध कॉलोनियों और अवैध निर्माण के विरुद्ध चल रही विकास प्राधिकरण की कार्रवाई अब और ज्यादा तेज हो गई है। विकास प्राधिकरण की टीम ने आज तीन अवैध कॉलोनी में बुलडोजर की सहायता से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की, जबकि चार अवैध निर्माण कार्यों को सील किया गया। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि चिलकाना रोड के निकट कच्चा 62 फुटा रोड पर लगभग ढाई बीघा भूमि में एक कच्ची सड़क बनाकर अवैध कॉलोनी के लिए निशानदेही की जा रही थी। बालपुर गांव के पास चार बीघा भूमि में निशानदेही करते हुए मिट्टी भराई का कार्य किया जा रहा था और बरौली रोड पुंवारका में लगभग 1500 वर्ग गज भूमि में सड़क बनाने व दुकानों की नींव भराई के लिए कार्य को बुलडोजर की सहायता से ध्वस्त किया गया।

इसके अलावा न्यू भगवती कॉलोनी मनोहरपुरा रोड पर एक दुकान के निर्माण कार्य, मंशापुर गांव के रास्ते पर करीब दो बीघा में टीन शेड डालकर फर्नीचर का निर्माण कार्य, प्राइमरी स्कूल मवी खुर्द अड्डा के पीछे लगभग 700 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में गोदाम के निर्माण के लिए कॉप्लेक्स का निर्माण कार्य और छज्जापुरा रोड गीता पंप के पास करीब नौ-दस फीट ऊंची दीवार के निर्माण कार्यों को सील किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों और अवैध निर्माण कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके विरूद्ध विकास प्राधिकरण की कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान अवर अभियंता प्रदीप गोयल, सुधीर कुमार एवं रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

संपत्ति के बंटवारे से लेकर आरक्षण तक, कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की मतदान की अपील

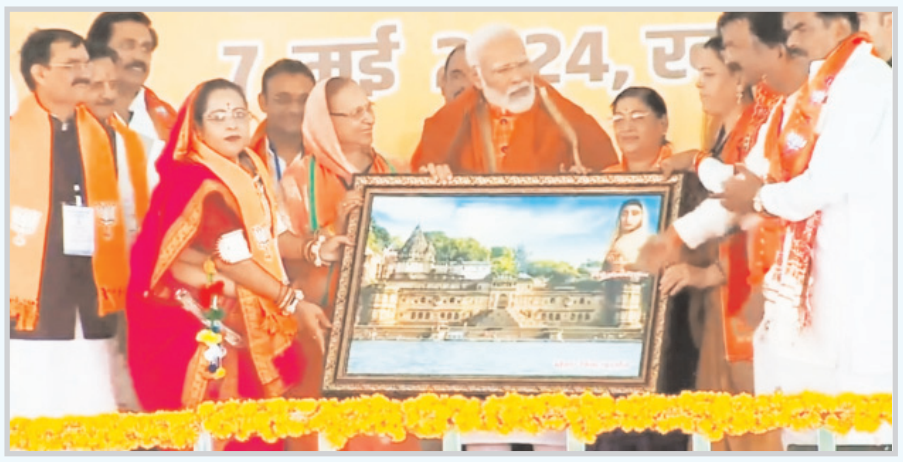

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ

खरगोन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 मई को खरगोन पहुंचे. उन्होंने यहां कहा कि जब मैं कार्यकर्ता था तो सुबह होने वाली जनसभा से कतराता था. मुझे लगता था कि सुबह दस बजे कौन आएगा. लेकिन, मैं यहां आपको सौ-सौ बार सलाम करता हूं कि आप इतनी सुबह आ गए. माताएं-बहनें सुबह-सुबह आशीर्वाद देने आ गई. आपका इतना आशीर्वाद मिला है. मैंने पता नहीं कौन सा पुण्य का काम किया है. साथियों मैं आज आपसे विकसित भारत के संकल्प के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं. ये माता नर्मदा की कृपा है. नर्मदा तट पर रहने वाला मांगने वाले को निराश नहीं करता. और मैं, आज आपसे मांगने आया हूं. आपको याद होगा मैंने लाल किले से कहा था कि देश सबके विकास और सबके साथ से ही आगे बढ़ेगा. पीएम मोदी ने कहा कि ये देश आपके सभी के प्रयास से आगे चल पड़ा है. यहां इस रैली में आए हुए आपके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूं और बधाई देता हूं. आपके वोट ने 500 साल की प्रतीक्षा खत्म करके भगवान राम का भव्य मंदिर बना दिया. बोलिये, जय श्री राम, जय-जय श्री राम. ये तो ट्रेलर है. अभी तो बहुत कुछ करना है. ये इंडिया गठबंधन वाले किसके लिए चुनाव लड़ रहे हैं. वो चुनाव लड़ रहे हैं अपनी-अपनी विरासत बचाने के लिए. अपने बच्चों को अपनी पार्टी सौंपकर के जाने लिए. इन्हें आपके सुख-दुख से कोई फर्क नहीं पड़ता है. इंडिया की कहावत है, %अपना काम बनता, भाड़ में जाए.... (जनता ने दिया जवाब). उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है, निराश है. उसे हताशा ने कहां ले जाकर पटका है? वो कह रहे हैं कि मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करो. भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को लिया आड़े हाथ। कहा कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम चरम पर है। भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य। पाकिस्तान के आतंकी भारत के खिलाफ जिहाद की धमकी दे रहे है, यहां भी कांग्रेस के लोग कह रहे मोदी के खिलाफ वोट जिहाद की बात कह रहे हैं। कांग्रेस का हाथ पाकिस्तान के साथ नारा लगा। पूरा पांडाल मोदी-मोदी के नारों से एक नहीं कई बार गूंजा।

नवग्रह मेला ग्राउंड पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान और कांग्रेस को लेकर बड़ा बयान दिया। कहा कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम चरम पर है। भारत में वोट जिहाद चलेगा या राम राज्य। पाकिस्तान के आतंकी भारत के खिलाफ जिहाद की धमकी दे रहे है, यहां भी कांग्रेस के लोग कह रहे मोदी के खिलाफ वोट जिहाद की बात कह रहे हैं। कांग्रेस का हाथ पाकिस्तान के साथ नारा लगा। सोचिये कांग्रेस कहा पहुंच गई है। क्या यहां वोट जिहाद चल सकता है। साथियों कांग्रेस के इरादे खतरनाक हैं। एक महिला ने कहा मैं राम मंदिर जाऊंगी, उसे टार्चर किया, उसने कांग्रेस छोड़ दी। कांग्रेस के शाहजादे का इरादा सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने की सोच है। कांग्रेस में चर्चा हुई है मोदी पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते। अब मुद्दा नहीं बचा तो मोदी को हराना मुश्किल है। मोदी को झूठे आरोप में फ़साओ, संविधान को लेकर झूठ फला रहे है।

कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कांग्रेस की नजर आपकी संपत्ति पर है. वो आपकी संपत्ति का एक्सरे करेंगे. मैंने कांग्रेस के दिमाग के एक्सरे कर रखा है. ये क्या करेंगे, क्या सोचेंगे, मेरे एक्सरे में सब दिखता है. वो आपके बैंक, गहनों, बहू शादी में लेकर क्या लेकर आई, पत्नी शादी में क्या लेकर आई, इन सबका एक्सरे करेंगे. अगर आपके पास जरूरत से ज्यादा है तो आधा ले लेगी. अगर दो साइकिल है, तो एक ले लेंगे. अगर आपका मंगलसूत्र है, तो गया. इन सबसे आपको आपका वोट बचाएगा. आप मोदी को वोट दीजिए और मोदी आपके लिए लड़ता रहेगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की मतदान की अपील

आपके एक वोट की ताकत देखिए, आपके एक वोट ने 500 साल की प्रतिक्षा खत्म करके भगवान राम का भव्य मंदिर बना दिया। ये तो सिर्फ ट्रेलर है ट्रेलर, अभी तो बहुत कुछ करना है। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले किस लिए चुनाव लड़ रहे हैं? अपनी-अपनी विरासत बचाने के लिए... अपने बच्चों को अपनी पार्टी सौंप कर जाने के लिए.इन्हें आपके सुख-दु:ख से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने खरगोन में आयोजित विजय संकल्प रैली के दौरान कही। पीएम ने खरगोन- बड़वानी ओर खण्डवा प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगे। उन्होंने कहा ये आज देश में तीसरे चरण का मतदान चल रहा है और मैं भी सुबह-सुबह जल्दी वोट देकर यहां आया हूं। लोकतंत्र में एक नागरिक के नाते मेरा जो कर्तव्य है, उसको मैंने निभाया है। मेरा सभी मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि बड़े उत्साह और उमंग के साथ आपको भारी संख्या में मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा साथियों ये तो ट्रेलर है, अभी तो बहुत कुछ करना है। इस चुनाव में आपका एक वोट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा। आपका एक वोट आपकी कमाई बढ़ाएगा। युवाओं के रोजगार के अवसर बनाएगा। मजबूत भारत बनाएगा। इसलिए मैं हिंदुस्तान के कोन-कोने में जाकर देशवासियों से आशीर्वाद मांग रहा हूं। दूसरी तरफ ये इंडि गठबंधन वाले किस के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, वे चुनाव लड़ रहे हैं, अपनी-अपनी विरासत बचाने के लिए।

आपके एक वोट ने भारत को 5वीं बड़ी आर्थिक ताकत बनाया। आपके एक वोट ने दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ाया। आपके एक वोट ने 70 साल बाद आर्टिकल 370 हटाया।

आपके एक वोट ने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया है। आपके एक वोट ने महिलाओं को आरक्षण का हक दिलवाया। आपके एक वोट ने भ्रष्टाचारियों को जेल भिजवाया। आपके एक वोट ने मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज की गारंटी दी। आपके एक वोट ने युवाओं के भविष्य को संवार दिया, अपार अवसर खड़े कर दिए। आपके एक वोट ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल दिया।

मरीजों की सुरक्षा कवच बनेगी आभा आईडी

एक क्लिक में मिलेगी मेडिकल हिस्ट्री - डीन गिरिश बी रामटेके

कृष्णा तिवारी। सिटी चीफ

शहडोल. मरीजो को उपचार में किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए शासन के निर्देशन पर इन दिनों शहडोल के बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में आभा आईडी बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। आभा आईडी बनाने से जहां एक ओर मरीजों की समस्याएं समाप्त हो जायेगी वहीं दूसरी ओर चिकित्सकों को उपचार करने में सहूलियत होगी। बहरहाल मरीजों के उपचार में आभा आईडी की अनिवार्यता नहीं है फिर भी यह आईडी मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए किसी कवच से कम नहीं है। बता दें की आभा आईडी आयुष्मान आईडी की तरह है। जिसका लाभ अब मरीजों को मिलने लगा है। आभा आईडी बनाने के लिए मोबाइल नंबर का आधार से लिंक होना जरूरी है।

बिरसा मुण्डा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शहडोल के नवागत डीन डॉक्टर गिरिश बी रामटेके नें जानकारी देते हुए बताया कि 03 मई 2024 से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा हेतु उनकी आभा आई.डी. बनाई जा रही है ताकि उनके इलाज का डेटा सुरक्षित रखा जा सके। इससे मरीज और डॉक्टर दोनों को लाभ होगा। पिछले 02 दिनों में 500 से अधिक मरीजों की आभा आई.डी. बनाई जा चुकी है। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। शुरूआत में आभा आई.डी. बनवाये जाने हेतु अधिक समय लग रहा था। इसके लिए अधिष्ठाता महोदय द्वारा सतत समीक्षा एवं हाईस्पीड इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। जिससे अब 250-300 मरीजों की आभा आई.डी. बनाई जा रही है। आभा आई.डी. बनाने के लिए मोबाइल नम्बर से आधार का लिंक होना जरूरी है। मेडिकल कॉलेज में 08 कर्मचारी स्टॉल लगाकर तैनात हैं। जो मोबाइल से ही मरीजों की आभा आई.डी. बना रहे हैं। मरीज का एक बार ओटीपी आधार नम्बर और दूसरी बार ओटीपी मोबाइल नम्बर से जनरेट होता है। दोनों ओटीपी डालते ही मरीज की आभा आईडी बन जाती है। इसके बाद मरीज सीधे ओ.पी.डी. पर्चा बनवाते हैं और संबंधित डॉक्टर को दिखाते हैं। रजिस्ट्रेशन की सुविधा समस्त काउंटर पर उपलब्ध है।

अस्पताल प्रबंधन की अपील

मेडिकल कॉलेज शहडोल में उपचार हेतु आने वाले समस्त मरीजों से आग्रह है कि आप अपने साथ आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नम्बर एवं आयुष्मान कार्ड साथ लेकर आयें। जिससे आसानी से आभा आई.डी. एंव मरीज की ओ.पी.डी. रजिस्ट्रेशन किया जा सके।

आभा आई.डी के लाभ:

बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल के डीन डॉक्टर गिरिश बी रामटेके नें चर्चा के दौरान बताया की आभा आईडी बनने से मरीजो को फ़ाइल लेकर चक्कर नहीं काटने पड़ेंगें। एक क्लिक पर उनकी मेडिकल हिस्ट्री मिल जायेगी। आभा आईडी से इलाज के लिए हर जगह रिपोर्ट या पर्चीयां ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी इसके साथ ही इसमें मरीज का ब्लड ग्रुप, बीमारी, दवाई और चिकित्सक से सम्बंधित सभी जानकारी मौजूद रहेगी। अब मरीज अपना मेडिकल रिकार्ड, लैब रिपोर्ट और डायग्नोसिस दिखा सकेंगे। डीन नें आगे बताया की ऑनलाइन इलाज, टैली मेडिसिन, निजी चिकित्सक, ई-फार्मेसी व पर्सनल हेल्थ रिकार्ड अब आसानी से मिल जायेगे । उन्होंने बताया कि इस कार्ड से बीमा कंपनियों को भी जोड़ा गया है जिससे मरीज को बीमा का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही मेडिकल रिकार्ड को अस्पताल, क्लिनिक, और इंश्योरेंस कंपनी के साथ आसानी से शेयर किया जा सकता है।

गैंगरेप दोस्त के साथ घूमने निकली छात्रा से हैवानियत

एडीजीपी ने लिया जायज़ा, शहडोल के केंद्रीय स्कूल कल्याणपुर की घटना

कृष्णा तिवारी। सिटी चीफ

शहडोल, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 16 वर्षीय छात्रा के साथ 5 अज्ञात आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। यह वारदात बीती रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम छात्रा कोचिंग के लिए निकली थी। तभी उसे उसका एक दोस्त मिल गया। वह अपने दोस्त के साथ केंद्रीय स्कूल की तरफ बाइक और स्कूटी में घूमने आ गई। तभी केंद्रीय स्कूल के पास 5 युवक आ पहुंचे। पहले उन्होंने छात्रा के दोस्त के साथ मारपीट की। इसके बाद एक एक करके छात्रा के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने छात्रा और उसके दोस्त का वीडियो भी बना लिया। मौके पर ही छात्रा को धमकी दी कि यदि वह इस घटना की जानकारी किसी को देगी तो उसका वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। फटे कपड़े और बदहवाश हालत में छात्रा अपने दोस्त के साथ घर पहुंची। वहां उसने अपने परिजनों को आप बीती सुनाई। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर महिला थाना पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है।

शहडोल में एक के बाद एक घटनाक्रम ने शहडोल पुलिसिंग की पोल ही खोल कर रख दी, कहा गया पुलिस का मुखबिरतंत्र जो अब शहर में दरिंदगी के स्तर तक अपराधियों के हौसले उफान मार रहे है, एजुकेशन हब बनाम ड्रग्स हब ने इलाके की तस्वीर ही बदल कर रख दी है, यहाँ बने मकानों का किराया शहर से 50 प्रतिशत तक कम होने की वजह से इलाके में बाहर से पढ़ने आये छात्र रहकर पढाई करते है कुछ पैसे बचने के चक्कर में अपराधियों का निशाना बन जाते है, दरअसल यहाँ का माहौल भी ऐसा है हर घर दूध, सब्जी मिले न मिले गांजा, शराब, स्मैक इत्यादि समाज को बर्बादी की ओर ले जाने वाली सामग्री कल्याणपुर और सत्यम वीडियो रोड पुरानी बस्ती के इर्दगिर्द जरूर मिल जायगी। बीते दिनों एक मारपीट में त्रिपाठी बंधुओ के साथ नशे के सौदागरों ने मारपीट की थी लेकिन पुलिस की सेटिंग से मामूली धाराओं में खेल हो गया, उक्त घटनाक्रम में ड्रग्स का भी अहम् रोल है, वरना एक बच्ची से बेरहमी करने की हिमाकत न करते दरिंदगी की हद्द है द्य मामले में आश्चर्यजनक बात यह भी है कि मामले के सभी आरोपी अज्ञात है ।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया....

छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात हुई है। पुलिस जांच में जुटी है। जल्द ही सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।- **एसपी शहडोल - कुमार प्रतीक**

मामले में तफ्तीश जारी है जल्द आरोपी गिरफ्तार किये जायेगे द्य हमने आरोपियों के सम्बन्ध में जानकारी देने वालो को 30 हजार का इनाम घोषित किया है । **एडीजीपी शहडोल जोन - दिनेश चंद्र सागर**

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री ने शाजापुर विधानसभा के बेरछा मंडल में मातृशक्ति सम्मेलन में किया संबोधित

सेवा ही संगठन की विचारधारा पर काम करती है भाजपा - अलका गुर्जर

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर, कांग्रेस राज में समाज को बांटने की राजनीति होती थी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राज में विकास की राजनीति शुरू हुई है। मोदी जी की गारंटी में देश में वंचितो, गरीबों और महिलाओं के विकास पर काम हो रहा है और इस बदलते भारत को आज हम सब देख रहे है। भाजपा का कार्यकर्ता समर्पित और सेवा भाव से कार्य करता है इसी का परिणाम है की आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनेतिक दल बन गया है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री एवं दिल्ली प्रदेश की सह प्रभारी अलका गुर्जर शाजापुर जिले के बेरछा मंडल पहुंची और यहां आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन में शामिल होकर महिलाओं को भाजपा की रीति-नीति से अवगत कराते हुए कहा की भाजपा ही एक ऐसा राजनेतिक दल है जिसके कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के उद्देश्य को लेकर काम करते है, नही तो कोरोना काल में हमने देखा है कि दूसरे दलों के नेता एसी कमरों से बाहर तक नही निकले है। उन्होंने कहा कि समाज को एकरूपता देने वाला, सनातन धर्म की रक्षा करने वाला, देश का विकास करने वाला और पूरे विश्व में भारत का परचम फहराने वाला कोई नेतृत्व है तो वह भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ही है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले दस सालो में भारत की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। हर तरफ विकास हो रहा है, सनातन धर्म को समृद्ध किया जा रहा है। मोदी जी जिस विचारधारा पर काम कर रहे हैं वहां सबको साथ लेकर चलने वाली विचारधारा है, यहां कोई राजनीति नहीं है यह तो सबका साथ सबका विकास के भाव को लेकर काम करने की विचारधारा है जिससे देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे और हमारा संकल्प भी यही है। मोदी जी का सपना है कि 2047 तक भारत विकसित भारत के रूप में उभरे और विश्व का नेतृत्व करते हुए फिर से विश्व गुरु बने इसी उद्देश्य को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी काम कर रहे हैं और हमें भी मोदी जी के हाथों को मजबूत करते हुए सबका साथ सबका विकास के भाव को लेकर काम करना है और भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, क्षेत्रीय विधायक श्री अरूण भीमावद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, गोपाल राजपूत, किरण ठाकुर, मंडल अध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर, जुगल नाहर, बेरछा की सरपंच श्रीमती अलका नाहर, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रेखा सोनी, वरिष्ठ नेता कृष्णकांत कराड़ा करणसिंह गुर्जर आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में हुए मतदान के दौरान कोई भी विशेष गड़बड़ी नहीं पाई गईः अनुपम राजन

शाम 6:00 तक मतदान पूरे होने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

भोपाल, शाम 6:00 तक मतदान पूरे होने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की जहा अनुपम राजन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि लोकतंत्र के महापर्व में अपना मत देकर जरूर शामिल हों। लोकतंत्र में हर मतदाता का मत बहुत महत्वपूर्ण है। आपका मत लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है। मतदान, लोकतंत्र में अपनी आस्था की अभिव्यक्ति है। इसलिये मतदान जरूर करें। राजन ने कहा कि अपनी पसंद की सरकार चुनने का अधिकार संविधान ने आपको दिया है। संवैधानिक अधिकार का सम्मान कर मतदान अवश्य करें। मतदाता पहले मतदान करें, फिर अपने दूसरे कर्त्तव्यों का पालन करें। राजन ने कहा कि मतदाताओं की सहूलियत के लिए सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। गर्मी को देखते हुए मतदान केन्द्रों में छाया, पानी और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि मतदान करने जाते समय मतदाता सूचना पर्ची के अतिरिक्त एक फोटो परिचय पत्र भी जरूर ले जायें। उन्होंने कहा है कि जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहाँ अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है, जिससे मतदाताओं को अधिक समय तक इंतजार न करना पड़े। गौरतलब है कि तीसरे चरण में 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्र ङ्क मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ और बैतूल में 7 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

3 हजार से ज्यादा महिलाओं के उत्पीड़न का दोषी है रेवन्ना

बिफरी महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, आज जिला शहर कटनी महिला कांग्रेस द्वारा महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में तहसील कार्यालय में राष्ट्पति के नाम कर्नाटक सांसद एवं यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ह्यस्त्रद्व महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी की मातृशक्तियो एवम वरिष्ठ कांग्रेसियों ने माननीय राष्ट्रपति जी से ये आग्रह किया है कि कर्नाटक से जनता दल सेक्युलर के सांसद और वर्तमान में ठ्ठस्त्रड्ड से गठबंधन में सांसद प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना जो कि 3000 से अधिक ,विभिन्न उम्र की महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी है, और जिसने इन महिलाओं के साथ दुराचार की सीडी भी बनाई जिनके वायरल होने से हजारों महिलाओं के घर उजड़ गए ऐसे दुर्जन और निम्न मानसिकता वाले व्यक्ति को तत्काल पकड़कर दंडात्मक कार्यवाही की जाए और उसके विभिन्न राजनीतिक पदों से स्तीफा लिया जाए महिला जिलाध्यक्ष रजनी वर्मा ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना जैसे व्यक्ति जो महिलाओं के प्रति इतनी घृणित और गिरी मानसिकता रखते है वो आज केंद्र में बैठकर सरकार चला रहे है और हमारे प्रधानमंत्री जो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे रहे है ऐसे घृणित लोगो का चुनाव में प्रचार कर रहे है, भाजपा के राज में आज महिलाए पूर्णतया असुरक्षित है और उन्हें न्याय दिलाने वाली सरकार स्वयं ही आरोपियों के साथ खड़ी है, उच्च राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण ही प्रज्वल रेवन्ना भारत छोड़कर बाहर भाग पाया है जैसे कि पहले भी कई भगोड़े देश का पैसा खाकर भागे है , सम्पूर्ण विपक्ष, सरकार के इस दोहरे रवैये और इस तरह से घृणित आरोपियों को संरक्षण देने का विरोध करती है ,देश भर में सम्पूर्ण महिला कांग्रेस एवं मातृशक्तिया उन पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने उनके साथ खड़ी है और अगर जल्दी ही पीड़ितों को न्याय नही दिलाया गया और प्रज्वल रेवन्ना को उसके अपराध की सजा नही दी गई तो देश भर की महिलाएं मिलकर पीड़ितों को न्याय दिलाने सड़क पर उतरेंगी।इस कार्यक्रम में प्रदेश सहसचिव सुमन रजक, अदिता वर्मा,शशिप्रभा यादव,मुमताज बानो, लता खरे,लक्ष्मी रजक, गीता निषाद, अलवीना डेविड,कल्पना पाठक,रीता सोनी,जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राजा जगवानी, प्रदेश सचिव प्रियदर्शन गौर,अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित शुक्ला, पर्यावरण प्रकोष्ठ अध्यक्ष शशि शेखर भारद्वाज,वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश जैन, संतोष यादव,कल्लू दास बैरागी,आनंद पटेल,मनोज गुप्ता,विजय वाधवानी, वेंकट गट्टानी, रोहित द्विवेदी,विकल पुरुस्वानी,संजय खरे,अजय जैसवानी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे.

जेल में विचाराधीन कैदी की मौत, परिजनों का आरोप

रिश्वत लेकर बनाया फर्जी केस, फिर जेल में मौत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के रंगनाथनगर थाना अंतर्गत झर्राटिकुरिया क्षेत्र में 4 मई को अवैध शराब के एक मामले में जेल गए झर्रा टिकुरिया निवासी कैदी राकेश उर्फ रक्कू भारती की कटनी जिला जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया। जिला अस्पताल में पीएम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया लेकिन परिजनों ने अंतिम संस्कार करने की बजाय राकेश उर्फ रक्कू का शव रंगनाथ नगर थाने के सामने सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित परिजन व क्षेत्रवासी रंगनाथ नगर थाने में पदस्थ दो आरक्षकों पर राकेश उर्फ रक्कू के साथ मारपीट करने व उस पर शराब ठेकेदार से सांठगांठ कर शराब का झूठा प्रकरण बनाकर जेल भेजने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया।

कैदी की संदिग्ध मौत के बाद चक्का जाम की जानकारी लगते ही पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा, कोतवाली प्रभारी आशीष शर्मा, माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह, कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, रंगनाथ नगर थाना प्रभारी नवीन नामदेव, एनकेजे थाना प्रभारी नीरज दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने आक्रोशित परिजनों को पूरे मामले की जांच कराकर दोषी पुलिस कर्मियों पर बात कहीं और समझा बुझाकर मामला शांत कराया। यह चक्का जाम करीबन 3 घंटे तक लगातार जारी रहा। और अंत में चक्का जाम समाप्त हुआ। रंगनाथ पुलिस के द्वारा विगत तीन एवं चार मई की दरम्यानी रात को भारत चौक झर्रा टिकुरिया निवासी 38 वर्षीय राकेश उर्फ रक्कू भारती को 350 पाव अवैध देशी शराब सहित पकड़ा गया था। वही परिजनों ने राकेश की मौत के बाद आरोप लगाया की राकेश को जबरन रंगनाथ नगर की पुलिस ने जबरन उसकी दुकान से उठाकर ले गई थी और उस पर अवैध शराब बेचने का केश बना न्यायालय में पेश कर दिया था जहा से उसे कटनी जेल में दाखिल कराया गया था। कटनी जिला जेल के बैरक नंबर एक में उसे रखा गया था। और आज 7 मई के तड़के जेल के कर्मचारी रक्कू को अचेत अवस्था में लेकर शासकीय जिला अस्पताल पहुंचे थे जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पीएम हुआ और पीएम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया लेकिन परिजनों ने अंतिम संस्कार करने की बजाय क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर चकाजाम कर दिया था।

सेन्ट्रल वेयर हाउस स्ट्रांग रूम पर निरन्तर कड़ी नजर रखने हेतु 8-8 घन्टे की शिफ्ट में पार्टी प्रतिनिधि करेंगे निगरानी

कांग्रेस प्रतिनिधि पंहुचे सेंट्रल वेयर हाउस, देखी सीसीसीटीवी फुटेज

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि गुल बहार और बाबर जनता रोड स्थित सेंट्रल वेयर हाउस में पहुंचे और वहां रखी ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को देखा। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर डीईओ डॉ0 दिनेश चंद्र बेहद संवेदनशील हैं। समय-समय पर सेंट्रल वेयर हाउस पर पहुंचकर जांच-पड़ताल कर रहे हैं। साथ ही सभी सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर चेक भी की।सहारनपुर और कैराना लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को चुनाव हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम को सेंट्रल वेयर हाउस में कड़ी सुरक्षा में रखे गए हैं। यहां अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे सेंट्रल वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां पर एलईडी लगाई गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा बैठक में निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों/ निर्वाचन अभिकताओं व प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि सेन्ट्रल वेयर हाउस स्ट्रांग रूम पर निरन्तर कड़ी नजर रखने हेतु 8-8 घन्टे की शिफ्ट में अपने 3 प्रतिनिधियों के नाम व पते की सूचना आधार कार्ड व फोटो सहित जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें। उन्होंने अवगत कराया गया कि अभी तक 01-सहारनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से इंडियन नेशनल काँग्रेस व बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी की ओर से निगरानी के लिए पास हेतु प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त 02-कैराना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी व एक निर्दलीय प्रत्याशी की ओर से निगरानी के लिए पास हेतु प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उक्त सभी को स्ट्रांग रूम की निगरानी हेतु पास जारी किये जा चुके है। शेष निर्वाचन लडने वाले अभ्यर्थियों के अभी तक पास प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुए है। शेष सभी प्रत्याशियों से पास बनवाने हेतु प्रार्थना पत्र उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया। सभी से अनुरोध किया गया कि सेन्ट्रल वेयर हाउस पर गेट के अन्दर कोई भी ज्वलनशील वस्तु लेकर न जाये तथा किसी की भी गाडी अन्दर नहीं जायेगी।

आबकारी विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान

शराब की सरकारी दुकानों के अंदर रखे स्टॉक रजिस्टर व शराब की बोतल, बीयर की बोतल आदि की चेंकिग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, आबकारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने आज सहारनपुर जनपद के कोर्ट रोड व दिल्ली रोड, काशीराम कॉलोनी व कई स्थानों पर शराब की बोतलों पर लगे होलोग्राम व बोतलों की सील आदि चेक की। सेक्टर 2 के आबकारी निरीक्षक राजकमल सिंह ने भी पुराने शहर में अंबाला रोड, जेल चुंगी, देहरादून रोड पर शराब की दुकानों पर शराब की बोतलों की चेकिंग की और शराब कैंटीन की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह ने बताया सहारनपुर शहर में किसी को भी घटिया क्वालिटी की शराब वह बीयर ना पिलाई जाए। इसको देखते हुए सहारनपुर जिले के आबकारी निरीक्षकों को कहा गया है समय-समय पर शराब की दुकानों का निरीक्षण करें। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया जो भी ग्राहक शराब की दुकानों में कोई कमी देखता है वह सीधे शराब की दुकानों पर लिखे फोन नंबरों पर आबकारी निरीक्षकों को फोन कर सकता है। आबकारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया उनके द्वारा कोर्ट रोड, दिल्ली रोड व अन्य दुकानों पर शराब के रखें स्टॉक, रजिस्टर व शराब की बोतले पर लगे होलोग्राम चेकिंग की है। आबकारी निरीक्षक राजकमल सिंह ने बताया उनके द्वारा आज शराब की दुकानों पर जो कैंटीन है उनकी साफ-सफाई देखी गई कि कैसे फल कैंटीन में खिलाए जा रहे हैं। कैंटीन ठेकेदार को हिदायत दी गई है कोई भी सामान खराब व पुराना ना खिलाया जाये।

यूपी, सहारनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अपील का जनपदभर में दिखाई दे रहा असर

10 कुंटल से अधिक भूसा दान देने वालों के नाम लिखे जायेंगे गौशालाओं पर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा भूसा दान के लिए की गयी अपील का जनपदभर में असर दिखाई दे रहा है। किसान भूसा तो दान कर ही रहे हैं इसके साथ वह जिलाधिकारी से प्रेरणा लेकर गौशालाओं में पहुँचकर गौसेवा करने के साथ साफ-सफाई का कार्य भी कर रहे हैं। गोशालाओं में गोवंश के चारे की व्यवस्था के लिए किसानों में उत्साह दिखाई दे रहा है। अब तक किसानों ने 03 हजार से अधिक क्विंटल भूसा दान किया है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने किसानों से भूसा दान करने की अपील की थी। इसके बाद किसानों ने भारी मात्रा में गोशाला में भूसा दान करना शुरू कर दिया है। इससे काफी हद चारे की दिक्कत दूर होगी। इसके साथ ही चारे के रूप में नेपियर की घास की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद के विभिन्न गोवंश आश्रय स्थलों पर 2748 गोवंश संरक्षित है। इन गोवंशों को वर्ष पर्यान्त भरण-पोषण हेतु भूसा संरक्षित करना अति आवश्यक है। आमजन से अपील है कि निकटवर्ती गोवंश आश्रय स्थल पर अधिक से अधिक भूसा दान दें। 10 कुन्तल से अधिक भूसा दान करने वाले व्यक्तियों के नाम गोआश्रय स्थलों पर अंकित करायें जायेगें, ताकि उनसे प्रेरणा लेकर अधिक से अधिक भूसा गोआश्रय स्थलों पर संरक्षित हो सकें। भूसा दान करने हेतु मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मो0नं0 डा0एस0पी0 सिंह गौर, - 8318591101 पर भी सर्पक किया जा सकता है। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने बताया कि किसानों द्वारा भारी मात्रा में भूसा दान किया जा रहा है। सम्बन्धित विभाग की ओर से भी भूसा खरीदा जा रहा है। इसके अलावा हरे चारे और चोकर की भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि कोई भी गोवंश भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि भूसा दान देने वाले को सम्मानित करते हुए उनके नाम प्रत्येक वर्ष गौशालाओं पर लिखे जायेंगे। गांव चौराखुर्द निवासी किसान महक सिंह ने कामधेनु गोशाला देवबंद में सोमवार को 25 क्विंटल भूसा दान किया है। मंगलवार को ग्राम प्रधान राकेश ने स्वयं बलियाखेडी स्थित गडोला गौशाला में भूसा पहुंचाया और वहां पर साफ-सफाई का कार्य भी किया। इसके अतिरिक्त अन्य कई किसानों ने भी भूसा दान करने के लिए विभाग से संपर्क किया है। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने संबंधित सभी अधिकारियों को कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में भूसा दान देने हेतु अधिक से अधिक कृषकों को प्रेरित करें तथा दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाये। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निराश्रित गोवंश के भरण पोषण हेतु भूसा दान के लिए जनपद के सभी संभ्रान्त नागरिकों से अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाने की अपील की। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने सभी अधिकारियों से निराश्रित गौवंश के संरक्षण के लिए बेहतर से बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में संरक्षित गोवंशों हेतु भोजन एवं पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त आज डीएम ने अपने आवास पर स्थित गौशाला में पल रहे गौवंश को गुड़ और हरा चारा खिलाया। वहां पर बन रहे गैराज और भूसा रखने की जगह पर कार्य कर रहे श्रमिकों को कड़ी मेहनत करते देखकर उनकी लगनशीलता की प्रशंसा करने के साथ उनको गुड़ खिलाकर प्रोत्साहित किया।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले पति को अदालत ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

पति पर छह वर्ष पूर्व अपनी पत्नी की जलाकर हत्या करने का था आरोप

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, नानौता में छह वर्ष पूर्व दहेज के लिए विवाहिता की हत्या करने के आरोप में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आज आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 12 हजार रूपये के अर्थदंड से दंड़ित करते हुए कहा है कि यदि अर्थदंड अदा न किया गया तो छह माह के अतिरिक्त कारावास की सजा और भुगतनी पडेगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता देवीदयाल शर्मा ने बताया कि गंगोह के मोहल्ला टांकान निवासी मकसूद की पुत्री रहमत उर्फ फात्मा का विवाह नानौता थाने के गांव बुंदूगढ़ निवासी आशु उर्फ आस मोहम्मद के साथ हुआ था। बताया कि विवाह के 9 माह बाद 31 मई 2018 की रात में रहमत उर्फ फात्मा को उसके पति आशु उर्फ आस मोहम्मद व ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न करने पर मिट्टी का तेल छिड़ककर जान से मारने की नीयत से आग लगा दी थी। जिसमें रहमत उर्फ फात्मा गंभीर रुप से झुलस गई थी। इसी दौरान उपचार के दौरान 2 माह बाद उसकी मृत्यु हो गई थी। घटना के संबंध में नानौता थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया था। उक्त मामले का विचारण अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में चल रहा था। अभियोजन व बचाव पक्ष की दलीले सुनने के बाद न्यायाधीश विनित कुमार वासवानी की अदालत ने आशु उर्फ आस मोहम्मद को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा सुनाई है।

अदालत में पेश हुईं एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स

डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई पहली मुलाकात के बारे में बताया

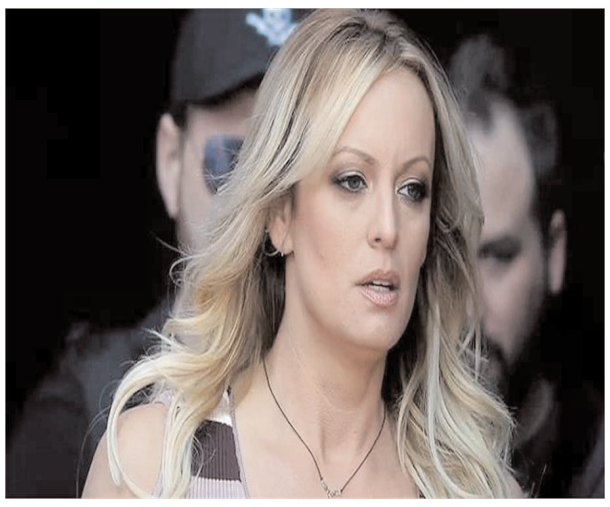

इंटरनेशनल डेस्क: एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने मंगलवार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीक्रेट मनी मुकदमे के सिलसिले में अदालत में अपनी गवाही दर्ज कराई। स्टेफ़नी क्लिफ़ोर्ड के नाम से मशहूर डेनियल्स काले कपड़े पहने हुए अदालत में पेश हुईं। ट्रप पर आरोप है कि उन्होंने यौन संबंधों को लेकर खुलासा न करने के लिए 1.30 लाख डॉलर डेनियल्स को दिए। हालांकि, ट्रंप उनके साथ यौन संबंध बनाने के आरोपों को खारिज करते हैं और खुद को निर्दोष बताते हैं। ट्रंप पर इस मामले में आदेशों का उल्लंघन करने पहले 10 हजार डॉलर का जुर्माना भी लग चुका है। डेनियल्स ने अदालत को बताया कि कैसे साल 2006 में गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान उनकी पहली मुलाकात ट्रंप से हुई थी। स्टॉर्मी ने अपनी गवाही में ट्रंप के साथ अपनी पहली अतरंग मुलाकात के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब वह उनके पेंटहाउस सुइट में दाखिल हुईं तो ट्रंप ने रेशम का पायजामा पहना हुआ था। डेनियल्स ने उस समय उनके पहने का मजाक उड़ा था और कहा था कि क्या मिस्टर हेफनर को पता हैकि आपने उनका पायजामा चुराया है? वहीं, उन्होंने जब ट्रंप से अपने कपड़े बदलने का आग्रह किया तो ट्रंप ने कपड़े बदले। डेनियल्स ने आगे बताया कि ट्रंप ने उनसे उनकी एडल्ट फिल्मों के बारे में भी पूछा। डेनियल ने बताया कि इस मुलाकात में उन्होंने पहनावे को लेकर उनका मजाक उड़ाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान पत्नी मेलानिया से शादीशुदा होने के दौरान उनके बीच अंतरंग संबंध बने। गवाही के दौरान ट्रंप काफी चिंता में नजर आ रहे थे।

दक्षिण चीन सागर में तैनाती के लिए भारतीय नौसेना के तीन पोत पहुंचे सिंगापुर

सिंगापुर: दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन संबंधी तैनाती के तौर पर तीन भारतीय पोत सिंगापुर पहुंच गए हैं जो दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत रिश्तों को रेखांकित करता है। भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कहा कि रियर एडमिरल राजेश धनखड़ के नेतृत्व में भारतीय नौसेना के जहाज दिल्ली, शक्ति और किल्टन सोमवार को सिंगापुर पहुंचे । दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा अपनी सैन्य आक्रामकता दिखाने के बीच भारतीय नौसेना ने कहा कि इन तीनों पोतों का सिंगापुर पहुंचना दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन संबंधी तैनाती का हिस्सा है। फिलहाल, दक्षिण चीन सागर में चीन की नौसेना का अमेरिका समर्थित फिलीपिन की नौसेना के साथ गतिरोध चल रहा है। फिलीपिन ने दक्षिण चीन सागर में 'सकेंड थोमस शोअल% पर दावा किया है जिसका चीन ने कड़ा विरोध किया है। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकतर हिस्से पर दावा करता है। फिलीपिन, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के भी इस पर दावे हैं। भारतीय पोतों का सिंगापुर की नौसेना के कर्मियों और सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त ने गर्मजोशी से स्वागत किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा,इन भारतीय पोतों की इस यात्रा से कई कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और सहयोग को और मजबूती मिलेगी। बयान के मुताबिक, बंदरगाह में इन जहाजों के प्रवास के दौरान, विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने की योजना बनाई गई है, जिसमें भारतीय उच्चायोग के साथ बातचीत, सिंगापुर की नौसेना के साथ पेशेवर संवाद के साथ-साथ अकादमिक और सामुदायिक संपर्क सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं, जो दोनों नौसेनाओं के साझा मूल्यों को दर्शाती हैं। उसमें कहा गया है, भारतीय नौसेना और सिंगापुर की नौसेना के बीच तीन दशकों के सहयोग, समन्वय और नियमित यात्राओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक प्रशिक्षण व्यवस्थाओं के साथ मजबूत संबंध रहे हैं। वर्तमान तैनाती दोनों नौसेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है।

पाकिस्तान में पुलिसकर्मी ने ट्रांसजेंडर के साथ किया रेप

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में आतंकी हमलों के अलावा अब जनता पुलिस कर्मियों के कृत्यों से भी त्रस्त है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिसकर्मियों ने थाने में ट्रांसजेंडर के साथ रेप कर दिया। ये घटना पंजाब के गुजरात शहर में घटित हुई है। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रांसजेंडर्स के ग्रुप और पुलिस अधिकारियों के बीच रोज़ाना की रोक-टोक और तलाशी को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर पुलिस तीन ट्रांसजेंडर्स समेत 4 लोगों को थाने ले आई। थाने में पहुंचने के बाद हंगामा जारी रहा। हीरा नाम के ट्रांसजेंडर ने आरोप लगाया है कि उन्हें रिहा करने से पहले उसका पुलिस स्टेशन में ही बलात्कार किया गया। इस घटना का पता सब ट्रांसजेंडर समुदाय को लगा तो वो बीते रविवार को पूरे बल के साथ पुलिस थाने पहुंच गए और तोड़फोड़ मचाकर पुलिस अधिकारियों के साथ हाथापाई की। आरोप है कि इन प्रदर्शनकारियों ने थाने पर ईंट-पत्थर से भी हमला किया जिससे स्टेशन की इमारत को नुकसान पहुंचा है। साथ ही थाने के फर्नीचर को भी सड़क पर फेंका गया। माहौल गर्म होता देख मौक पर जिला पुलिस अधिकारी सैयद असद मुजफ्फर पहुंचे और स्क जांच के नेतृत्व में जांच का आदेश दिया। जांच के बाद पाकिस्तान के कानून की कई धाराओं के तहत 27 ट्रांसजेंडरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया वहीं 20 लोगों पर भी मामला दर्ज किया है। हालांकि इनकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। वहीं ट्रांसजेंडर से रेप के मामले में एक पुलिसकर्मी पर मामला दर्ज किया गया है हालांकि ट्रांसजेंडर ने कई पुलिसकर्मियों पर रेप का आरोप लगाया है। DPO असद मुजफ्फर ने कहा कि मोबाइल फोन फुटेज से पता चला है कि ट्रांसजेंडर्स और पुलिस के बीच प्रारंभिक समाधान हो गया था लेकिन जब बीते इनके समूह ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोला तो स्थिति हिंसक रूप ले गई जिसके बाद ये कार्रवाई की गई है।

दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन इमारत के ढह जाने से 5 श्रमिकों की मौत, 49 मलबे में दबे

केपटाउन: दक्षिण अफ्रीका के एक तटीय शहर में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत के ढह जाने की घटना में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़ कर पांच हो गयी जबकि 49 श्रमिक अब भी मलबे में फंसे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचावकर्मी 12 घंटे से अधिक समय से तलाश एवं बचाव कार्य में लगे हैं एवं अब तक 21 श्रमिकों को मलबे से निकाला गया है जिनमें से करीब 11 श्रमिक गंभीर रूप से घायल हैं। उनके अनुसार, मंगलवार को मृतकों की संख्या पांच हो गयी तथा 49 श्रमिक अब भी मलबे में दबे हैं। अधिकारियों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन से करीब 400 किलोमीटर दूर पूरब में जॉर्ज शहर में सोमवार को दोपहर में यह निर्माणधीन पांच मंजिला भवन ढह गया था। उनके मुताबिक, घटनास्थल पर आपात एवं अन्य संबंधित विभागों के 100 से अधिक कर्मी तलाश एवं बचाव कार्य में लगे हैं और वे खोजी कुत्तों की मदद ले रहे हैं। माना जा रहा है कि कुछ श्रमिकों की मलबे के नीचे दबकर मौत हो गयी। मलबा हटाने के लिए बड़ी क्रेन एवं अन्य भारी मशीनें लगायी गयी हैं। जॉर्ज नगर निगम के अनुसार, जब यह भवन ढहा तब वहां 75 श्रमिक काम कर रहे थे। श्रमिकों के परिवार एवं मित्र निगम के कार्यालय के आसपास इकट्ठा हो गये हैं। कार्यकारी मेयर लियोन वान वायक ने कहा, '' हमारी संवेदना एवं सहानुभूति शोकसंतप्त लोगों एवं उन सभी प्रभावित परिवारों के प्रति है जो अपने प्रियजनों के बारे में सूचना का इंतजार कर रहे हैं।

सीनियर्स ने छात्र से की दरिंदगी, उसे नंगा किया, प्राइवेट पार्ट्स पर किया हमला

नेशनल डेस्क: कानपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक नाबालिग छात्र को सीनियर छात्रों के एक समूह ने पैसे न देने पर प्रताड़ित किया और पीटा। घटना के कुछ वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने सोमवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान तनय चौरसिया, अभिषेक कुमार वर्मा, योगेश विश्वकर्मा, संजीव कुमार यादव, हरगोविंद तिवारी और शिवा त्रिपाठी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित किशोरी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग क्लास में शामिल होने के लिए इटावा से कानपुर आई थी। इसके बाद वह कोचिंग सेंटर में कुछ वरिष्ठ लोगों के संपर्क में आया, जिन्होंने उसे ऑनलाइन सट्टेबाजी गेम खेलने के लिए 20,000 रुपये दिए। छात्र के पैसे हारने के बाद उसके सीनियर्स ने उस पर इसके बदले 2 लाख रुपये देने का दबाव डाला। जब छात्र पैसे नहीं लौटा सका तो उन्होंने उसे कमरे में बंद कर दिया और बार-बार पीटा। आरोपियों ने इसका वीडियो भी बनाया। जिसमें वे छात्र को उसके निजी अंगों सहित लात और मुक्कों से मारते हुए दिखाई दे रहे थे। एक वीडियो में एक आरोपी को छात्र के बाल जलाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया, जबकि दूसरे वीडियो में छात्र को नग्न कर उसके प्राइवेट पार्ट पर ईंट बांधते हुए दिखाया गया। यह हमला कई दिनों तक जारी रहा जिसके बाद छात्र ने अपने माता-पिता को सूचित किया, जिन्होंने बाद में इटावा में पुलिस से शिकायत की। हालांकि, छात्र के परिवार ने कहा कि आरोपियों को पुलिस ने चेतावनी देकर छोड़ दिया है. हालांकि, 4 मई को छात्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, कानपुर पुलिस हरकत में आई और आरोपी लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त आरएस गौतम ने कहा कि आरोपियों पर आईपीसी की धारा 147, 34, 343, 323, 500, 506 और 307 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन पर पोक्सो अधिनियम और धारा 67 (बी) के प्रावधानों के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। आईटी एक्ट. पुलिस के मुताबिक, ये लोग एक गैंग बनाकर एक फ्लैट में रहते हैं, जहां ये भोले-भाले छात्रों को फंसाते हैं और उन्हें धमकाते और ब्लैकमेल करते हैं।

अमेठी राइफल्स फैक्ट्री का घर- स्मृति ईरानी का पूर्व पाक मंत्री पर पलटवार

नेशनल डेस्क: केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन द्वारा एक एक्स पोस्ट में राहुल गांधी की प्रशंसा करने को लेकर हमला बोला। एक रैली में राहुल पर हमला बोलते हुए, ईरानी ने कहा कि अमेठी में अब AK 203 राइफलों की फैक्ट्री है, जिसका इस्तेमाल सीमा पर पाकिस्तानी आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि चौधरी को पाकिस्तान की चिंता करनी चाहिए, न कि अमेठी की। केंद्रीय मंत्री ने रैली में कहा, अभी तक मैं एक कांग्रेस नेता से लड़ रहा था, लेकिन अब एक पाकिस्तानी नेता ने कहा है कि स्मृति ईरानी को हराना चाहिए। चौधरी फवाद हुसैन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आप पाकिस्तान को संभालने में असमर्थ हैं, लेकिन अमेठी के बारे में चिंता कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर मेरी आवाज पाकिस्तान के नेता तक पहुंचती है तो मैं कहना चाहती हूं कि यह वही अमेठी है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एके 203 राइफल की फैक्ट्री लगाई है, जिसका इस्तेमाल सीमा पर पाकिस्तानी आतंकियों को मारने के लिए किया जा रहा है। ईरानी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने अभी तक पूर्व पाकिस्तानी मंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट की निंदा नहीं की है और पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों पर सवाल उठाया है।

चीन ने राष्ट्रपति पद के उद्घाटन से पहले ताइवान के खिलाफ प्रभाव अभियान किया शुरू

बीजिंग: चीन ने 20 मई को द्वीप पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के उद्घाटन से पहले ताइवान के खिलाफ प्रभाव अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की है। वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग ने यात्रा और आयात प्रतिबंधों में आंशिक रूप से ढील देते हुए पूरे ताइवान में सैन्य गतिविधियों के पैमाने और आवृत्ति को बढ़ा दिया है। विश्लेषकों के अनुसार, बीजिंग यह परीक्षण करने की कोशिश कर रहा है कि आने वाली ताइवानी सरकार बीजिंग के बढ़ते दबाव का जवाब कैसे देगी । ताइवान में सूचो विश्वविद्यालय के एक राजनीतिक वैज्ञानिक चेन फैंग-यू ने कहा, अल्पावधि में, बीजिंग यह देखने की कोशिश कर रहा है कि लाई के तहत नई ताइवानी सरकार उसके दबाव अभियान का जवाब कैसे दे सकती है।

उन्होंने कहा, उसी समय, चीनी सरकार ताइवान जलडमरूमध्य में यथास्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है, जब ताइपे उद्घाटन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने 2 मई से 3 मई के बीच द्वीप के पास 26 चीनी सैन्य विमानों और पांच चीनी नौसैनिक जहाजों का पता लगाया, जिनमें 17 चीनी सैन्य विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा, कुछ चीनी विमान ताइवान के उत्तरी बंदरगाह शहर कीलुंग से लगभग 76 किलोमीटर की दूरी पर पहुंच गए, जहां एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा स्थित है । इस बीच, ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक, त्साई मिंग-येन ने 1 मई को ताइवानी सांसदों को बताया कि चीनी सेना ने द्वीप के पास अपनी संयुक्त युद्ध तत्परता गश्ती में नई रणनीति को शामिल किया है, जिसमें अभ्यासों के दौरान जहाज़ और बारूदी सुरंग हटाने वाले जहाज़ व रात के समय लड़ाकू गश्त करना और लैंडिंग का उपयोग करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि ताइवान के अधिकारी ताइवान के बाहरी द्वीप किनमेन के पास चीनी तट रक्षक द्वारा की गई बढ़ी हुई गश्त पर नज़र रख रहे हैं। इससे पहले 29 अप्रैल को, बीजिंग ने कहा था कि फुज़ियान तट रक्षक ने अप्रैल से किनमेन के पास पानी में गश्त की आवृत्ति बढ़ाने के लिए जहाजों के एक बेड़े का आयोजन किया था। वीओए के अनुसार, बीजिंग ने पिछले महीने के अंत में ताइवानी पोमेलो और दो प्रकार के समुद्री भोजन पर आयात प्रतिबंध हटाते हुए अपने दक्षिणी प्रांत फुज़ियान के निवासियों को ताइवान के दूरस्थ द्वीप मात्सु की यात्रा करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। यह बात ताइवान की मुख्य विपक्षी पार्टी, कुओमितांग, जो ताइपे और बीजिंग के बीच घनिष्ठ संबंधों की वकालत करती है, के सांसदों के एक समूह के चीन दौरे के बाद आई है।इस बीच, कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, बीजिंग द्वारा हाल के हफ्तों में उठाए गए सभी उपाय ताइपे के खिलाफ उसके प्रभाव अभियान का हिस्सा हैं, जिसमें ताइवान पर दबाव डालने के लिए दुष्प्रचार अभियान, आर्थिक जबरदस्ती और ग्रे जोन ऑपरेशन का उपयोग करना शामिल है। ताइपे स्थित इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी रिसर्च के एक सैन्य विशेषज्ञ सु त्जु-यून ने कहा, चीन की समग्र रणनीति अभी भी ताइवान पर दबाव बढ़ाने की है लेकिन वे ताइवान के विपक्षी दलों को कुछ छोटे लाभ भी दे रहे हैं। जबकि हालिया घटनाक्रम को ताइवान के खिलाफ चीन के समग्र प्रभाव अभियान के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। सु ने कहा कि बीजिंग के दीर्घकालिक लक्ष्य का हिस्सा ताइवान जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बढ़ाना है। उन्होंने कहा, किनमेन के पास प्रतिबंधित जल क्षेत्र में चीनी तट रक्षक जहाजों को तैनात करने की आवृत्ति बढ़ाकर और चीनी सैन्य विमानों को ताइवान के मुख्य द्वीप के करीब उड़ाकर, बीजिंग अंततः ताइवान जलडमरूमध्य को अपने क्षेत्रीय जल में बदलने की उम्मीद कर रहा है। वीओए की रिपोर्ट। चूंकि चीनी सेना आमतौर पर जून और नवंबर के बीच सैन्य अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करती है, इसलिए आने वाली ताइवानी सरकार को 20 मई के बाद द्वीप के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों में किसी भी वृद्धि पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569